RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 22 ▪ अंक - 10 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 01-08-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

4 भारत राष्ट्र महान, मेरा देश कमजोर ना हो : देवनानी

6 आंदोलन की संस्कृति : अधिकार नहीं, उत्तरदायित्व भी आवश्यक

7 एक्ट्रेस से अब प्रेजेंटर बनीं सोनाली बेंद्रे

गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग पर अड़े विपक्ष का संसद में हंगामा, बैठक दिन भर के लिए स्थगित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संसद में शुक्रवार को विपक्षी सदस्यों ने प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई को लेकर गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग करते हुए हंगामा किया जिसके कारण दोनों सदनों की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। हंगामे के बीच ही लोकसभा ने जन्म और मृत्यु के पंजीकरण संबंधी कानून में संशोधन के प्रावधान वाले विधेयक को बिना चर्चा के पारित कर दिया। निचले सदन की बैठक शुरू होते ही विपक्षी सदस्यों ने छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई को लेकर हंगामा शुरू कर दिया। वे आसन के निकट पहुंचकर गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग करने लगे।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्षी सदस्यों से अपने स्थान पर जाने और प्रश्नकाल चलने देने की अपील की। उन्होंने कहा, ''कई बार आग्रह किया है कि प्रश्नकाल महत्वपूर्ण समय होता है, यह सदस्यों का समय है। आप प्रश्नकाल के अंदर नियोजित तरीके से गतिरोध पैदा मत करिये। आप सदन को चलने दें।'' उन्होंने कहा, ''आज प्रियंका (गांधी) जी का भी प्रश्न होना है और वह प्रश्न पूछने के लिए खड़ी हैं लेकिन आप लोग सदन की कार्यवाही बाधित कर रहे हैं।'' बिरला ने कहा, ''कुछ माननीय सदस्य जिस तरह भेष बदल-बदलकर आते हैं उन्हें मेरी चेतावनी है। कई सदस्यों ने मुझसे मिलकर और मुझे लिखकर कहा है कि संसद भवन और संसद परिसर की पवित्रता और मर्यादा बनी रहनी चाहिए। आप संसद की पवित्रता और गरिमा को समाप्त कर रहे हैं।''

सदन में निर्दलीय सदस्य राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव को आज साधुओं की तरह भगवा वस्त्र पहने हुए देखा गया। शोर-शराबा नहीं थमने पर उन्होंने कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी। बैठक 12 बजे फिर शुरू हुई तो हंगामा जारी रहा। हंगामे के बीच ही जन्म और मृत्यु का पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, 2026 को बिना चर्चा के पारित कर दिया गया। इसके बाद बैठक दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। संसद के मानसून सत्र की शुरुआत 20 जुलाई को हुई थी और तब से सदन में विभिन्न मुद्दों पर हंगामे के कारण अब तक प्रश्नकाल और शून्यकाल नहीं हो सके हैं।

कावेरी विवाद : कन्नड़ समर्थक संगठनों ने 13 को 'कर्नाटक बंद' का आह्वान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कन्नड़ समर्थक संगठनों ने शुक्रवार को कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) के उस निर्देश के विरोध में 13 अगस्त को पूरे कर्नाटक में बंद का आह्वान किया, जिसमें राज्य को तमिलनाडु के लिए 15 दिनों तक प्रतिदिन 3,500 क्यूसेक पानी छोड़ने को कहा गया है। तमिलनाडु के लिए कावेरी का पानी छोड़े जाने के विरोध में रणनीति तय करने के उद्देश्य से बेंगलूरु में कन्नड़ समर्थक कार्यकर्ता वाटाल नागराज के नेतृत्व में विभिन्न कन्नड़ समर्थक संगठनों की बैठक के बाद यह घोषणा की गई।

यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 13 अगस्त को सुबह छह बजे से शाम छह बजे तक 'कर्नाटक बंद' रखा जाएगा।

आम जनता से इस बंद में सहयोग और समर्थन देने की अपील करते हुए उन्होंने कहा, ''आइए हम सब मिलकर बेलगावी से लेकर चामराजनगर तक 'कर्नाटक बंद' को पूरी तरह सफल बनाएं।'' नागराज ने राजनीतिक दलों पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वे अपने राजनीतिक लाभ के लिए कावेरी जल आदेश का इस्तेमाल कर रहे हैं। विभिन्न संगठनों ने तमिलनाडु को कावेरी जल छोड़े जाने का विरोध करते हुए दलील दी है कि कर्नाटक खुद जल संकट का सामना कर रहा है और ऐसे में पानी छोड़ने से राज्य के किसानों पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण ने तमिलनाडु को रोजाना 15 दिन तक 3,500 क्यूसेक पानी देने की कावेरी जल विनियमन समिति की सिफारिश को बरकरार रखा है।

भिवंडी में चार मंजिला इमारत ढह गई, नौ लोगों की मौत

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र के भिवंडी में स्थानीय नगर निकाय द्वारा खतरनाक' घोषित एक चार मंजिला इमारत के ढहने से कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई तथा दो. तीन लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि पावरलूम नगरी भिवंडी में बालाजी नगर क्षेत्र स्थित कोहिनूर बिल्डिंग का एक हिस्सा बृहस्पतिवार रात 11 बजकर 20 मिनट पर ढह गया।

नगर निकाय अधिकारियों ने इस इमारत को ''खतरनाक'' घोषित किया था और परिसर में मरम्मत का काम चल रहा था। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस घटना पर दुख जताते हुए कहा कि उन्होंने अधिकारियों को मामला दर्ज करने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि यह घटना तब हुई जब इमारत की मरम्मत का काम चल रहा था।

फर्स्ट टेक

अल्जीरिया में बस के गहरी खाई में गिरने से 25 लोगों की मौत

अल्जीयर्स/एपी। अल्जीरिया में शुक्रवार को एक बस दुर्घटना में कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई, जबकि 44 अन्य घायल हो गए। अल्जीरिया के नागरिक सुरक्षा विभाग की प्रारंभिक रिपोर्ट से यह जानकारी मिली। बस यात्रियों को सेतीफ से अल्जीरिया की राजधानी अल्जीयर्स ले जा रही थी जो अल्जीयर्स से लगभग 50 किलोमीटर दूर एल कर्मा क्षेत्र में सड़क से फिसल कर एक गहरी खाई में जा गिरी। इस घटना में 25 लोगों की मौत हो गई।

मोदी ने ब्रिटेन के अपने समकक्ष बर्नहम से बातचीत की

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ब्रिटेन के उनके समकक्ष एंडी बर्नहम ने शुक्रवार को भारत-ब्रिटेन व्यापक रणनीतिक साझेदारी को ''नई ऊंचाइयों'' पर ले जाने और हाल ही में लागू हुए द्विपक्षीय व्यापार समझौते से मिलने वाले व्यापार और निवेश के अवसरों का पूरा लाभ उठाने का संकल्प लिया। मोदी और बर्नहम ने फोन पर बातचीत के दौरान दोनों देशों के संबंधों के अहम पहलुओं पर चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने बर्नहम को शीर्ष पद संभालने पर बधाई दी और उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, ''हम प्रौद्योगिकी, नवाचार, रक्षा, सुरक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, शिक्षा और दोनों देशों के लोगों से लोगों के आपसी संबंधों जैसे क्षेत्रों में मिलकर काम करने और भारत-ब्रिटेन व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए सहमत हुए।'' मोदी ने कहा, ''हम दोनों देशों के लोगों की साझा समृद्धि और कल्याण के लिए हाल ही में लागू हुए भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते से पूरा लाभ उठाने के लिए भी मिलकर काम करेंगे।''

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सियासी गठबंधन

कैसे मेंढ़क तुले तराजू,
पड़ा अक्ल पर सबके कोड़ा।
टांग खेंचते इक दूजे की,
चले अढ़ाई घर ज्यूं घोड़ा।
गिद्ध भोज में जुटे जीमने,
भुक्कड़ कोई ज्यादा-थोड़ा।
लगे सियासी गठबंधन यूं,
भानुमती ने कुनबा जोड़ा।।

साध्वी सत्यप्रभाजी का 80वाँ जन्मोत्सव एकासना एवं सामायिक दिवस के रूप में मनाया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत र। शहर के पुष्कर जैन आराधना केंद्र में चातुर्मास विराजित उपप्रवर्तिनी सत्यप्रभाजी का 80वाँ जन्मोत्सव 200 एकासना तप एवं सामायिक दिवस के रूप में मनाया गया। इस मौके पर साध्वीश्री सिद्धमश्रीजी कहा कि गुरु की महिमा अपरंपार है। इस संसार में गुरु से बढ़कर कोई शुभचिंतक न हुआ है और न कभी होगा। गुरु का सान्निध्य प्राप्त होना अत्यंत दुर्लभ सौभाग्य है। साध्वी डॉ सुप्रतिभाजी ने कहा कि गुरु असीम आत्मीयता एवं वात्सल्य का अनंत आकाश है। गुरु हमारे जीवन के कोरे पृष्ठों पर आनंद की अमिट रेखाएँ अंकित करते हैं तथा हमें हित-अहित का यथार्थ ज्ञान कराते हैं। साध्वीश्री तरुणशीलाजी ने साध्वीश्री सत्यप्रभाजी के जीवन चरित्र पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उनके गुणों को याद किया। कार्यक्रम में सत्यबहु मंडल द्वारा साध्वीश्री के जीवन पर आधारित नाटिका प्रस्तुत की गई। विजय संगीत मंडल, बालिका मंडल ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी। संस्था के अध्यक्ष नेमीचंद सालेचा ने भी साध्वीश्री को जन्मोत्सव की शुभकामनाएं दी। संघ के मंत्री दिनेश चोपड़ा ने संचालन किया।

साधना की ओर अग्रसर होना होता है धर्म का लक्ष्य : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के स्थानकवासी जैन संघ हल्लदकेरी के तत्वावधान में स्थानक भवन में विराजित राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने कहा कि कितनी भी डिग्रियां प्राप्त कर ले, ग्रंथ का अध्ययन कर ले, पढ़ ले, परंतु जब तक आत्मबोध नहीं होता तब तक व्यक्ति अज्ञानी की श्रेणी में ही आता है। जिसे आत्मा का आभास हो जाता है वह संत सूरदास भी महान ज्ञानी कहलाता है।

भौतिकवाद का ज्ञान आत्मा के उत्थान और कल्याण में सहयोगी नहीं बन सकता है।

सभी धर्म का मुख्य लक्ष्य साधना की ओर अग्रसर होना होता है। जब आत्मा को जन्म और मरण के दुखों से मुक्ति दिलाते हुए शाश्वत सुख मोक्ष को प्राप्त करने का लक्ष्य मानव जीवन का मुख्य लक्ष्य बनता है तब वह सच्चा साधक कहलाता है। धर्मसभा में बड़ी संख्या में श्रावक व श्राविकाएं उपस्थित थे। सचिव बुधमल बाघमार ने संचालन किया।

संस्कारों और सोच से जीवन में परिवर्तन संभव : मुनिश्री वीरसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

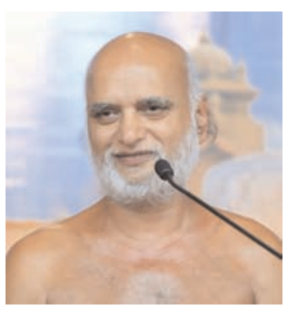

बेंगलूरु। शहर के ज्ञानोदय परिसर तुबरहल्ली में विराजित मुनिश्री वीरसागरजी ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि मनुष्य का अवचेतन मन उसके विचारों, भावनाओं, आदतों और जीवन के निर्णयों को गहराई से प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि जीवन में स्थायी परिवर्तन बाहरी परिस्थितियों से नहीं, बल्कि अपने भीतर के संस्कारों और सोच में परिवर्तन से प्रारम्भ होता है। मुनिश्री ने सरल एवं व्यवहारिक आध्यात्मिक साधनाओं के माध्यम से नकारात्मक मानसिक संस्कारों को बदलने, सकारात्मक चिंतन विकसित करने तथा मानसिक शांति प्राप्त करने के प्रभावी उपाय बताए। आध्यात्मिकता आज के तनावपूर्ण जीवन, मानसिक अशांति और भावनात्मक संघर्षों का प्रभावी समाधान प्रदान करती है। प्रवचन के अंत में मुनि श्री ने सभी को अपने विचारों और संस्कारों के प्रति सजग रहने का संदेश देते हुए कहा कि यदि व्यक्ति अपने अवचेतन मन को सही दिशा में प्रशिक्षित कर ले, तो वह अपने जीवन में असाधारण परिवर्तन ला सकता है।

सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सहयोग : बेंगलूरु के मारुति मेडिकल्स द्वारा संचालित विद्या सुरक्षा योजना के तहत विजयनगर स्थित भारतीय संस्कृत विद्यापीठ शिक्षण संस्थान में विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री वितरित करते हुए महेंद्र मुणोत।

द्रमुक सांसद का दावा : 336 रेलवे अधिकारियों ने जनता के पैसे से लग्जरी ट्रेनों में यात्रा की

नई दिल्ली/भाषा। द्रमुक सांसद वी एस मथेश्वरन ने शुक्रवार को दावा किया कि रेल मंत्रालय ने पिछले 12 साल में 'पैलेस ऑन व्हील्स', 'महाराजा एक्सप्रेस' और 'डेक्कन ओडिसी' जैसी लग्जरी ट्रेनों में 336 रेलवे अधिकारियों की यात्रा पर जनता के करोड़ों रुपये बर्बाद किए हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मंत्रालय ने इस सवाल पर संसद को गुमराह किया कि क्या रेलवे अधिकारियों को भारतीय रेलवे सेवक (पास) नियम, 1986 के तहत लग्जरी ट्रेनों में यात्रा करने की अनुमति है। मथेश्वरन ने पीटीआई-भाषा से कहा, 2022 में, मंत्रालय ने लोकसभा को बताया था कि रेलवे अधिकारी अपने परिवारों के साथ लग्जरी ट्रेनों में यात्रा कर सकते हैं। लेकिन अब, 29 जुलाई, 2026 को मेरे सवाल के जवाब में कहा गया कि वे ऐसी यात्रा नहीं कर सकते। इतना ही नहीं, जब मैंने मंत्रालय से ऐसे सभी अधिकारियों के नाम और पद बताने को कहा, तो उन्होंने सिर्फ एक संख्या (336) बताई, उन अधिकारियों के नाम नहीं।''

जिंदा दफन सर्कस कलाकार की मौत, उस्ताद का लालच बना मौत का कारण

गुरुग्राम(हरियाणा)/भाषा। नूंह जिले में एक गड्ढे में तीन दिन तक जिंदा दफन रहने के दौरान दम घुटने से मरने वाले सर्कस कलाकार दीपक के दुखी परिवार का कहना है कि उसकी मौत किसी दुर्घटना का नतीजा नहीं थी, बल्कि उसके उस्ताद के लालच का परिणाम थी। परिवार का एकमात्र सहारा दीपक की उम्र केवल 27 साल थी।

फरीदाबाद के गौंची गांव के रहने वाला दीपक पारंपरिक कलाकारों के परिवार से था, जो एक गांव से दूसरे गांव में घूमते रहते थे। हालांकि उसने कई बार जिंदा दफन होने का करतब दिखाया था जिसके तहत बोरी में बंद करके उसे जिंदा दफनाया जाता था और वह बाद में बाहर निकलता था, लेकिन वह कभी 24 घंटे से अधिक समय तक अंदर नहीं रहा था। परिवार का कहना था कि दीपक के गुरु सतीश उर्फ पुलसिया ने 7,100 रुपये की पूरी रकम पाने के लिए उसे 72 घंटे तक गड्ढे में बंद रखा था। दीपक की भाभी सुनीता ने बताया कि हर कार्यक्रम में दर्शकों को यह बताया जाता था कि 7,100 रुपये जमा होने के बाद ही दीपक को बाहर निकाला जाएगा। हालांकि, यह दावा सिर्फ लोगों को अधिक पैसे देने के लिए प्रोत्साहित करने की एक चाल थी। असल में चाहे कितनी भी रकम जमा हुई हो 24 घंटे पूरे होते ही दीपक को बाहर निकाल लिया जाता था। सुनीता ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, इस बार 24 घंटे में 7,100 रुपये का लक्ष्य पूरा नहीं हुआ, इसलिए पुलसिया ने जिंदा रहते हुए दफन रहने की अवधि को बढ़ाकर 72 घंटे कर दिया। जब तय समय के बाद भी दीपक को बाहर न निकालने पर ग्रामीणों ने विरोध किया, तो गड्ढे से मिट्टी हटाई गई। लेकिन तब तक दीपक की मौत हो चुकी थी।

आंध्र प्रदेश के कड़प्पा शहर में नए चैप्टर का गठन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कड़प्पा। विप्र फाउंडेशन जोन 16 बी द्वारा आंध्र प्रदेश के शहर कड़पा में ब्राह्मण समाज की बैठक आयोजित की गई जिसमें दक्षिण क्षेत्रीय महा यमंत्री भगवान व्यास, जोन अध्यक्ष राजेंद्र कुमार पारीक, जोन महासचिव राजेंद्र गोड़, तिरुपति चैप्टर के उपाध्यक्ष जोग सिंह राजपुरोहित एवं महासचिव सूर्य प्रकाश शर्मा का समाज के द्वारा सम्मान किया गया। राजेंद्र पारीक ने विप्र बंधुओं का स्वागत करते हुए संगठन के महत्व के बारे में बताया और उपस्थित सदस्यों को कहा कि वे ज्यादा से ज्यादा सदस्य बनाएं। दक्षिण भारत में हमें संगठित होना होगा। उन्होंने कहा कि आज भारत में विप्र फाउंडेशन हर प्रदेश में है और कुल 45 जोन हैं। भगवान व्यास ने विप्र फाउंडेशन की स्थापना से अब तक के कार्यकर्मों एवं प्रकल्पों के बारे में बताया। उन्होंने सदस्यता एवं संगठन के ढांचे और कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। बैठक में उपस्थिति सदस्यों की मंजूरी के उपरांत कड़प्पा चैप्टर का गठन किया गया जिसमें सर्वसम्मिति से प्रथम कार्यकारिणी बनाई गई। अध्यक्ष पद का दायित्व मोहन सिंह राजपुरोहित को, मंत्री हरिशंकर राजपुरोहित, उपाध्यक्षद्वय मदन पारीक व माधवसिंह राजपुरोहित, कोषाध्यक्ष प्रकाश राजपुरोहित को मनोनीत किया गया। जोन अध्यक्ष राजेंद्र कुमार पारीक ने कड़प्पा से प्रदेश कार्यकारणी में जोन उपाध्यक्ष पद पर दिनेश सिंह राजपुरोहित को मनोनीत किया गया। बैठक में भगवान व्यास ने कहा, कड़प्पा शहर के ज्यादा से ज्यादा सदस्यों को संगठन से जोड़ें। तिरुपति चैप्टर के उपाध्यक्ष जोगसिंह राजपुरोहित एवं सेक्रेटरी सेक्रेटरी सूर्य प्रकाश शर्मा बैठक में उपस्थिति थे। जोन सेक्रेटरी राजेंद्र गौड़ के धन्यवाद प्रस्ताव के बाद बैठक सम्पन्न हुई।

ओडिशा के हीराकुड बांध से महानदी में भारी मात्रा में पानी छोड़ा गया

बाढ़ से सात लाख लोग प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण हीराकुड बांध से महानदी में बड़ी मात्रा में पानी छोड़ा गया जिससे नदी का जलस्तर बढ़ गया। इसके चलते ओडिशा के 30 में से 20 जिलों में निचले इलाकों में पानी भर गया और करीब सात लाख लोग प्रभावित हुए हैं।

महानदी के जल स्तर में वृद्धि के कारण इसकी कई सहायक नदियां उफान पर हैं, जिससे स्थिति बिगड़ गई है। हालांकि, पिछले एक दिन बारिश नहीं होना राज्य के लिए राहत साबित हुआ है। बाढ़ की स्थिति की समीक्षा करने वाले राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी ने कहा कि छत्तीसगढ़ में महानदी के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों से भारी जल प्रवाह के कारण हीराकुड बांध के 14 गेट खोले गए हैं, जिससे दो लाख क्यूसेक से अधिक पानी छोड़ा गया है। पहले सिर्फ दो गेट खुले थे।

मंत्री ने कहा, ''पानी को कटक के पास मुंडाली तक पहुंचने में लगभग 36 से 40 घंटे लगेंगे।'' शुक्रवार की सुबह तक, जलाशय में जल स्तर इसकी पूर्ण भंडारण क्षमता 630 फुट के मुकाबले 623.52 फुट था। बांध में प्रति सेकंड लगभग 3,69,322 क्यूसेक पानी आ रहा था, जबकि लगभग 65,543 क्यूसेक पानी नीचे की ओर छोड़ा जा रहा था। पुजारी ने कहा कि मुंडाली में आठ लाख क्यूसेक से अधिक पानी 36 घंटे के भीतर छोड़ा जाना चाहिए, जिससे हीराकुड से छोड़े जाने वाले अतिरिक्त पानी के लिए जगह बन सके। मंत्री ने कहा, ''यह एक बड़ी राहत है कि राज्य भर में और ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में पिछले 24 घंटों से बारिश नहीं हुई है।'' उन्होंने कहा कि कटक, पुरी, खुर्दा और जगतसिंहपुर जिलों के कुछ इलाके जलमग्न हो गए हैं और लोगों की परेशानियां कम करने के लिए सभी तैयारियां की जा रही हैं।

पुजारी ने कहा कि राज्य उत्तरी और तटीय क्षेत्रों में 520 राहत केंद्र संचालित कर रहा है, जहां लगभग दो लाख लोगों के लिए तैयारियां की गई हैं। उन्होंने कहा कि अब तक लगभग 1.90 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया गया है। विशेष राहत आयुक्त राजेश प्रभाकर पाटिल ने कहा कि हालिया बाढ़ ने राज्य के 30 जिलों में से 20 में सात लाख से अधिक लोगों को प्रभावित किया है।

'घाटकोपर हिट एंड रन' मामले में अदालत ने 17 वर्षीय आरोपी की जमानत रद्द की

मुंबई/भाषा। मुंबई की एक अदालत ने शुक्रवार को घाटकोपर हिट-एंड-रन' मामले में 17 वर्षीय आरोपी को मिली जमानत रद्द कर दी। यह फैसला पीड़ित की पत्नी की याचिका पर लिया गया, जिन्होंने दुर्घटना के एक महीने बाद लड़के को रिहा किए जाने के निर्णय को चुनौती दी थी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश मुजीबुद्दीन शेख ने किशोर न्याय बोर्ड को निर्देश दिया कि वह नाबालिग को अपनी हिरासत में ले और उसे बाल सुधार गृह भेजने का आदेश जारी करे।

यह घटना पांच फरवरी को विद्याविहार में सोमैया कॉलेज के पास हुई थी, जहां एक व्यापारी का नाबालिग बेटा कार चला रहा था और उसकी कार एक स्कूटर से टकरा गई थी। इस हादसे में स्कूटर सवार धुमिल पटेल की मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी मीनल गंभीर रूप से घायल हो गईं।

प्रधानमंत्री बाल पुरस्कार के लिए ऑनलाइन नामांकन की तिथि 15 अगस्त तक बढ़ाई गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने शुक्रवार को इस वर्ष के प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार (पीएमआरबीपी) के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई से बढ़ाकर 15 अगस्त कर दी। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि एक अप्रैल से राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल के माध्यम से शुरू हुई नामांकन प्रक्रिया अब 15 अगस्त तक जारी रहेगी। बयान में कहा गया, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने ऑनलाइन नामांकन जमा करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई से बढ़ाकर 15 अगस्त कर दी है। मंत्रालय ने कहा कि ये पुरस्कार बहादुरी, समाज सेवा, पर्यावरण, खेल, कला एवं

संस्कृति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में असाधारण उपलब्धियां हासिल करने वाले बच्चों को प्रदान किए जाते हैं।

उसने कहा कि भारत में निवास करने वाला प्रत्येक भारतीय नागरिक, जिसकी आयु 31 जुलाई 2026 तक पांच वर्ष से 18 वर्ष के बीच है, इन पुरस्कारों के लिए पात्र है। मंत्रालय ने कहा, स्व-नामांकन सहित किसी भी नागरिक द्वारा की गई सिफारिशें केवल राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल के माध्यम से ही स्वीकार की जाएंगी।

अगर पति व्यभिचार का आरोप लगाता है, तो अदालत को पहले इस मुद्दे पर फैसला करना होगा : न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि अगर पति व्यभिचार का आरोप लगाता है, तो अदालत को पत्नी को अंतरिम गुजरा भत्ता देने का फैसला सुनाने से पहले पहले उस आरोप पर निर्णय लेना होगा। न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने कहा कि अदालतों का यह मानना त्रुटिपूर्ण होगा कि ऐसे आरोप पर निर्णय केवल सुनवाई के अंतिम चरण में ही किया जा सकता है। पीठ ने कहा, चूंकि, दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 125(4) में यह प्रावधान है कि अगर व्यभिचार का आरोप साबित हो जाता है, तो पत्नी न तो अंतरिम और न ही अंतिम गुजारा-भत्ता की हकदार होगी। इसलिए हमारा मत है कि अगर पति धारा 125(4) के तहत आवेदन करता है और शुरू में ही सबूतों के आधार पर प्रथम दृष्टया आरोप साबित कर देता है, तो अंतरिम गुजारा-भत्ता पर रोक लगाई जा सकती है।

शीर्ष अदालत का यह फैसला एक व्यक्ति की अपील पर आया है। व्याभिचार के आधार पर गुजारा भत्ता का विरोध करने वाली व्यक्ति की याचिका को राजस्थान उच्च न्यायालय ने खारिज कर दिया, जिसे चुनौती देते हुए उसने शीर्ष अदालत का रुख किया था। याचिकाकर्ता व्यक्ति और महिला का विवाह सात जुलाई 2014 को हुआ था। शादी के कुछ साल बाद ही उनके बीच परेशानियां शुरू हो गईं, जिसके कारण महिला ने कथित तौर पर पुरुष पर कई आरोप लगाए और पुलिस में शिकायतें भी दर्ज कराईं। आखिरकार, 13 मई 2020 को उसने अपने बच्चे और कीमती सामान के साथ ससुराल छोड़ दी।

बाद में महिला ने उदयपुर के विशेष अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में अंतरिम गुजारा-भत्ता के लिए अर्जी दी। इसके बाद व्यक्ति ने भी सीआरपीसी की धारा 125(4) के तहत अर्जी दाखिल की और दलील दी कि पत्नी के व्यभिचारपूर्ण आचरण के कारण वह किसी भी तरह के अंतरिम गुजारा-भत्ता की हकदार नहीं है। हालांकि, अदालत ने उसकी अर्जी खारिज कर दी। शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में कहा कि यह साबित करने के लिए कि पत्नी विवाहेतर संबंध में रह रही थी, पति ने कई तस्वीरें और अन्य सबूत पेश किए हैं। सीआरपीसी की धारा 125(4) के अनुसार, अगर कोई पत्नी व्यभिचार में शामिल है, तो वह धारा 125 के तहत अपने पति से गुजारा-भत्ता, अंतरिम गुजारा-भत्ता या कानूनी खर्च का दावा नहीं कर सकती।

देश में अब तक इबोला का कोई मामला नहीं, प्रवेश बिंदुओं पर निगरानी बढ़ाई गई : नड्डा

नड्डा ने कहा कि सरकार ने इबोला प्रभावित देशों से यात्रियों के प्रवेश पर कोई पूर्ण प्रतिबंध नहीं लगाया है। प्रवेश बिंदुओं पर आने वाले सभी अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की पिछले 21 दिनों के दौरान प्रभावित देशों की यात्रा के इतिहास की जांच की जा रही है...

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने शुक्रवार को लोकसभा को सूचित किया कि 23 मई से अब तक इबोला प्रभावित देशों से भारत आने वाले 10,974 अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की इस बीमारी के लिए जांच की गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि देश में अबतक इबोला बीमारी का कोई मामला सामने नहीं आया है। उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा बुंदीबुग्यो इबोला के प्रकोप को अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल (पीएचईआईसी) घोषित किए जाने के बाद निगरानी बढ़ा दी गई है। नड्डा ने कहा कि कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी), युगांडा और दक्षिण सूडान से आने वाले यात्रियों की 23 मई से 28 जुलाई के बीच अंतरराष्ट्रीय यात्रियों द्वारा जमा किए गए स्व-घोषणा प्रपत्रों और एयर सुविधा 2.0' पोर्टल के माध्यम से जांच की गई।

उन्होंने कहा कि सरकार ने इबोला प्रभावित देशों से यात्रियों के प्रवेश पर कोई पूर्ण प्रतिबंध नहीं लगाया है। उन्होंने कहा कि प्रवेश बिंदुओं पर आने वाले सभी अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की पिछले 21 दिनों के दौरान प्रभावित देशों की यात्रा के इतिहास की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा बुंदीबुग्यो इबोला के प्रकोप को पीएचईआईसी घोषित करने और अफ्रीका रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (अफ्रीका सीडीसी) द्वारा महाद्वीपीय सुरक्षा का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल (पीएचईसीएस) घोषित किए जाने के बाद उपायों को मजबूत किया गया।

राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी), भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस), नागरिक उड्डयन मंत्रालय, गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय, जैव प्रौद्योगिकी विभाग और अन्य हितधारकों के समन्वय से तैयारी और निगरानी उपाय किए गए हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों और प्रवेश के अन्य बिंदुओं पर व्यापक स्क्रीनिंग और निगरानी की व्यवस्था की गई है, जबकि निगरानी, स्क्रीनिंग, पृथकवास, क्लीनिकल प्रबंधन, प्रयोगशाला परीक्षण, संक्रमण की रोकथाम और नियंत्रण और मामले की रिपोर्टिंग को कवर करने वाले परामर्श और मानक संचालन प्रक्रियाएं (एसओपी) राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) को जारी की गई हैं।

डॉक्टर हमला प्रकरण : पुलिस ने उच्च न्यायालय में दो सप्ताह में जांच पूरी करने का आश्वासन दिया

मुंबई। महाराष्ट्र पुलिस ने शुक्रवार को बंबई उच्च न्यायालय को आश्वासन दिया कि वह ठाणे जिले के डोंबिवली में एक नगर निगम अस्पताल में चिकित्सकों के साथ मारपीट के आरोपी शिवसेना पार्षद रमेश म्हात्रे के खिलाफ जांच में तेजी लाएगी और इसे दो हफ्ते के अंदर पूरा कर लेगी। छह जुलाई को यह घटना हुई थी जिसके दो दिन बाद म्हात्रे को गिरफ्तार किया गया था। एक मजिस्ट्रेट अदालत ने 14 जुलाई को म्हात्रे को जमानत दे दी लेकिन चार दिन बाद उच्च न्यायालय ने इस मामले का स्वत: संज्ञान लेते हुए जमानत पर स्थगन लगा दिया। उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार म्हात्रे ने प्रशासन के सामने आत्मसमर्पण किया और अब वह न्यायिक हिरासत में हैं।

म्हात्रे के वकील आबाद पोंडा ने उच्च न्यायालय से गुज़ारिश की कि उनके मुवक्किल पर कड़ी शर्तें लगाकर उन्हें जेल से रिहा करने पर विचार किया जाए और वह जांच पूरी होने तक महाराष्ट्र से बाहर रहने को भी तैयार हैं। अदालत की मदद के लिए नियुक्त वरिष्ठ वकील अशोक मुंडार्गी और 'इंडियन मेडिकल एसोसिएशन' की ओर से पेश हुए एस यू कामदार ने इसका विरोध किया । उन्होंने कहा कि जांच पूरी होने तक म्हात्रे को ज़मानत पर रिहा नहीं किया जाना चाहिए। महाधिवक्ता मिलिंद साठे ने खंडपीठ को बताया कि पिछले हफ़्ते अदालत के आदेश के मुताबिक, जांच का काम अब पुलिस के उपायुक्त संभाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले दर्ज किए गए नौ लोगों के अलावा 17 और लोगों के बयान दर्ज किए जा चुके हैं तथा 10 और गवाहों के बयान दर्ज किए जाने बाकी हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस जांच में तेज़ी लाने और इसे दो हफ़्ते के अंदर पूरा करने की कोशिश कर रही है। इसके बाद, कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश रवींद्र घुगे और न्यायमूर्ति गौतम अंखाड़ की खंडपीठ ने कहा कि वह इस मामले पर छह अगस्त को आगे सुनवाई करेगी तथा म्हात्रे की ज़मानत की अर्ज़ी पर विचार करेगी। कल्याण-डोंबिवली नगर निगम के शास्त्री नगर अस्पताल में दो चिकित्सकों एवं नर्सों के साथ कथित तौर पर मारपीट करने के आरोप में छह जुलाई की रात को पार्षद और उनके साथियों को गिरफ्तार किया गया। यह घटना तब हुई जब एक परिवार को नवजात शिशु को दूसरे अस्पताल में ले जाने की सलाह दी गई थी। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद लोगों में भारी आक्रोश फैल गया था।

शिवकुमार ने कावेरी जल विवाद से निपटने के सरकार के तरीके का बचाव किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कावेरी जल विवाद से निपटने के उनकी सरकार के तरीके का शुक्रवार को बचाव किया और कहा कि राज्य ने सभी कानूनी एवं राजनीतिक विकल्पों का इस्तेमाल कर लिया है। उन्होंने विरोध-प्रदर्शनों के बीच संयम बरतने की अपील भी की। शिवकुमार का यह बयान कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) द्वारा तमिलनाडु को 15 दिन के लिए 3,500 क्यूसेक पानी छोड़ने के कावेरी जल विनियमन समिति (सीडब्ल्यूआरसी) के निर्देश को बरकरार रखे जाने के बाद आया है। शिवकुमार ने याद दिलाया कि आगे की कार्रवाई तय करने के लिए रविवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई गई है। उन्होंने विपक्ष के इस आरोप को खारिज कर दिया कि कर्नाटक के अधिकारी सीडब्ल्यूएमए के सामने राज्य का पक्ष प्रभावी ढंग से रखने में नाकाम रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने तुरंत इस आदेश को चुनौती दी और साथ ही राज्य के केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों समेत सभी दलों से समर्थन जुटाया। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, भले ही प्राधिकरण को लगे कि हमारे पास पर्याप्त पानी आ रहा है, फिर भी कर्नाटक के हितों की रक्षा करना मेरा और मेरी सरकार का कर्तव्य है।

शिवकुमार ने कहा कि कावेरी नीरावरी निगम लिमिटेड के कर्नाटक के मुख्य अभियंता, जो सीडब्ल्यूआरसी के सदस्य भी हैं, ने सलाहकारों, प्रधान सचिव, अतिरिक्त मुख्य सचिव और महाधिवक्ता के साथ मिलकर कार्यवाही में हिस्सा लिया और राज्य का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि बसवराज बोम्मई के नेतृत्व वाली पिछली भाजपा सरकार में सलाहकार रहे व्यक्ति ने भी सुनवाई में हिस्सा लिया।

शिवकुमार ने बताया कि कर्नाटक ने पानी की मात्रा में कटौती करने और ज्यादा समय देने की मांग की थी। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु ने तर्क दिया कि राज्य में पानी की आवक पर्याप्त थी, जिसके बाद सीडब्ल्यूएमए ने पानी छोड़ने के निर्देश को बरकरार रखा। शिवकुमार ने कहा कि जलाशय के जल-स्तर और पानी के आवक (इनफ्लो) का आंकड़ा पारदर्शी है और केंद्र, तमिलनाडु तथा मीडिया के लिए उपलब्ध है; इसमें हारंगी में 95 प्रतिशत, काबिनी में 83 प्रतिशत, हेमावती में 67 प्रतिशत और केआरएस में 36 प्रतिशत जल-भंडारण है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में पानी का बहाव लगभग 25,000 क्यूसेक था, जिसमें से उसे 3,500 क्यूसेक पानी छोड़ने का निर्देश दिया गया था।

शिवकुमार ने कहा कि सरकार ने तुरंत इस आदेश को चुनौती दी और अपील दायर करने से पहले ही दिल्ली में कर्नाटक के सांसदों की एक बैठक बुलाई, जिसमें तीन केंद्रीय मंत्रियों, उपमुख्यमंत्री जी परमेश्वर और राज्य के छह मंत्रियों समेत 36 सांसदों ने हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री ने कहा, जब कर्नाटक के पानी के मुद्दों और हमारी जमीन के हितों की बात आती है, तो कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए। हम सभी को मिलकर काम करना चाहिए। शिवकुमार ने कहा कि तमिलनाडु ने संकट-साझाकरण फॉर्मूले के तहत लगभग 99.4 टीएमसी पानी की मांग की थी, लेकिन प्राधिकरण ने उससे आधी मात्रा ही मंजूर की। उन्होंने बताया कि कानूनी और राजनीतिक प्रतिक्रिया पर विचार-विमर्श करने के लिए रविवार को पूर्व मुख्यमंत्रियों, सांसदों, केंद्रीय मंत्रियों और विधायकों की सर्वदलीय बैठक बुलाई गई है। शांति बनाए रखने की अपील करते हुए शिवकुमार ने कहा कि विरोध-प्रदर्शन करना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन उन्होंने संगठनों से बंद और आंदोलन न करने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री ने कहा, ऐसी हरकतें जरूरी नहीं हैं। हम पहले से ही आपके साथ खड़े हैं। बंद से इस समस्या का कोई समाधान नहीं निकलेगा।

भर्ती में अनियमितताएं संवैधानिक व्यवस्था पर सुनियोजित हमला : कर्नाटक उच्च न्यायालय

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने कहा है कि कर्नाटक लोक सेवा आयोग (केपीएससी) द्वारा 400 पशु चिकित्सा अधिकारी की भर्ती में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी के आरोप अगर सच साबित होते हैं, तो यह सिर्फ छिटपुट गड़बड़ी नहीं, बल्कि सरकारी नौकरी से जुड़ी संवैधानिक व्यवस्था पर एक 'सुनियोजित हमला' के बराबर होगा। पीठ ने 29 जुलाई को हुई सुनवाई के दौरान जांच को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने की याचिका पर कर्नाटक सरकार से जवाब मांगा। मंजूनाथ की याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना ने कहा कि सरकारी पद पर भर्ती वह जरिया है जिससे अनुच्छेद 16 के तहत समान अवसर' का संवैधानिक वादा असल में पूरा होता है।

उन्होंने कहा कि अगर इस प्रक्रिया में हेरफेर, पक्षपात या 'लेनदेन का असर' होता है, तो नुकसान सिर्फ असफल अभ्यर्थी का नहीं होता, बल्कि सबसे अच्छे अभ्यर्थी का चयन करने की जिम्मेदारी निभाने वाले हर सरकारी संस्थान की विश्वसनीयता का भी होता है। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील गिरीश भारद्वाज ने तर्क दिया कि कथित भर्ती घोटाले के बड़े पैमाने को देखते हुए जांच को अपराध जांच विभाग (सीआईडी) के पास ही रहने देना निरर्थक कदम होगा। उन्होंने कहा कि जनता का भरोसा तभी बहाल हो सकता है जब जांच सीबीआई को सौंपी जाए। अदालत ने गौर किया कि शिकायत में आरोप लगाया गया था कि भर्ती प्रक्रिया में सिर्फ कुछ अलग-अलग गड़बड़ियां नहीं थीं, बल्कि यह योग्यता को ही खत्म करने की एक सुनियोजित साजिश से पूरी तरह 'दूषित' थी। अदालत इस मामले पर अगली सुनवाई सात अगस्त को करेगी। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने 13 जुलाई को केपीएससी के अध्यक्ष शिवशंकरप्पा एस. साहूकार को निलंबित कर दिया था, जिसके बाद से आयोग में ऊहापोह की स्थिति है। अध्यक्ष पर अपनी दो बेटियों को औद्योगिक विस्तार अधिकारी' के तौर पर गैर-कानूनी तरीके से चयनित कराने में मदद करने का आरोप है।

कावेरी मुद्दे पर आंदोलन की जरूरत नहीं, कर्नाटक सभी कानूनी उपाय कर रहा है : मंत्री ने भाजपा से कहा

बेंगलूरु। कर्नाटक के जल संसाधन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने शुक्रवार को कावेरी जल बंटवारे के मुद्दे पर केआरएस बांध के पास भाजपा के विरोध प्रदर्शन की आलोचना की। उन्होंने कहा कि इस आंदोलन की कोई जरूरत नहीं थी, क्योंकि राज्य अपने हितों की रक्षा के लिए सभी कानूनी और राजनीतिक उपाय कर रहा है। कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) ने बृहस्पतिवार को कावेरी जल विनियमन समिति की उस सिफारिश को बरकरार रखा, जिसमें अगले 15 दिनों तक तमिलनाडु के लिये 3,500 क्यूसेक पानी छोड़ने की बात कही गई थी। कर्नाटक ने कम बारिश के कारण राज्य में सूखे की गंभीर स्थिति की ओर ध्यान दिलाया था।

रेड्डी ने यहां संवाददाताओं से कहा, भाजपा को कृष्ण राज सागर (केआरएस) बांध के पास विरोध प्रदर्शन करने की कोई जरूरत नहीं थी। मुझे नहीं पता कि वे विरोध क्यों कर रहे हैं। हमने अपने राज्य और किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए अधिकारियों से संपर्क किया है।

कर्नाटक के हितों से जुड़े मुद्दों पर राजनीतिक एकजुटता की जरूरत पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, जब भी हमारी जमीन, पानी और भाषा से जुड़े मुद्दे उठें, तो हम सभी को एकजुटता दिखानी चाहिए। जब भाजपा सत्ता में थी, तब भी हमने ऐसे मुद्दों पर उन्हें समर्थन दिया था। मुझे समझ नहीं आ रहा कि वे विरोध क्यों कर रहे हैं। क्या हमने कहा है कि हम पानी छोड़ने जा रहे हैं? यह बयान तब आया, जब भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा के नेतृत्व में भाजपा नेताओं ने कावेरी जल बंटवारे के मुद्दे पर कांग्रेस सरकार के खिलाफ मांड्या में केआरएस बांध के पास विरोध प्रदर्शन किया।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने भाजपा नेता की हत्या के मामले में कांग्रेस विधायक कुलकर्णी को जमानत दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुबल्ली। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने एक भाजपा नेता की 2016 में हुई हत्या के मामले में कांग्रेस विधायक विनय कुलकर्णी को एक विशेष अदालत द्वारा सुनाई गई उम्र कैद की सजा शुक्रवार को स्थगित कर दी और उनकी अपील का निस्तारण लंबित रहने तक जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। उच्च न्यायालय की धारवाड़ खंडपीठ ने कुलकर्णी की उस याचिका को स्वीकार कर लिया, जिसमें सजा निलंबित करने और दोषसिद्धि पर रोक लगाने का अनुरोध किया गया था। साथ ही, उच्च न्यायालय ने उन्हें पांच लाख रुपये का निजी मुचलका और उतनी ही राशि के दो जमानतदार पेश करने का निर्देश दिया। यह मामला धारवाड़ के भाजपा नेता योगेश गौडर की 2016 में हुई हत्या से संबंधित है।

न्यायमूर्ति मोहम्मद नवाज और न्यायमूर्ति जी बसवराजु की खंडपीठ ने कुलकर्णी के अदालत की पूर्व अनुमति के बिना देश से बाहर जाने पर भी रोक लगा दी और जरूरत पड़ने पर विधायक को उच्च न्यायालय तथा अधीनस्थ अदालत में पेश होने का निर्देश दिया। उच्च न्यायालय ने आदेश दिया कि कुलकर्णी को दोषी करार देने संबंधी फैसले पर तब तक रोक लगी रहेगी, जब तक कि अपील का फैसला नहीं हो जाता। विस्तृत आदेश की प्रतीक्षा है। उच्च न्यायालय ने इसी मामले से जुड़ी अपीलों में कई अन्य दोषियों की सजा भी स्थगित कर दी।

सांसदों और विधायकों पर मुकदमे की सुनवाई के लिए गठित एक विशेष अदालत ने 16 अप्रैल को कुलकर्णी और 15 अन्य लोगों को इस मामले में दोषी करार दिया था और इसके अगले दिन सजा सुनाई थी। धारवाड़ जिला पंचायत के पूर्व सदस्य और भाजपा नेता योगेश गौडर की 2016 में धारवाड़ के एक जिम में हत्या कर दी गई थी।

कावेरी नदी से जुड़े आदेश के विरोध में भाजपा का प्रदर्शन, केआरएस बांध के पास कई नेता गिरफ्तार

मांड्या। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष बी. वाई. विजयेंद्र समेत कई नेताओं को शुक्रवार को कावेरी नदी का पानी तमिलनाडु की ओर छोड़े जाने के विरोध में यहां कृष्णराज सागर (केआरएस) बांध का घेराव करने के लिए मार्च निकालने के बाद एहतियातन हिरासत में ले लिया गया। भाजपा ने चेतावनी दी कि अगर राज्य सरकार यह भरोसा नहीं दिलाती कि कावेरी का पानी तमिलनाडु की ओर नहीं छोड़ा जाएगा, तो पार्टी दो अगस्त को मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक का बहिष्कार करेगी। कांग्रेस सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि सरकार किसान विरोधी है और कर्नाटक के हितों की रक्षा करने में नाकाम रही है। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) ने राज्य की दो महत्वपूर्ण दलीलों के बावजूद तमिलनाडु को 15 दिनों तक हर दिन 3,500 क्यूसेक पानी छोड़ने के कावेरी जल विनियमन समिति के आदेश को बरकरार रखा।

कर्नाटक की ओर से दी गयी दलीलों में इस बार मानसून की बारिश बहुत कम होने और भीषण सूखे जैसी स्थिति के बारे में अवगत कराया गया था। प्रदर्शन में भाजपा के बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया था। विजयेंद्र के अलावा विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक, विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष चलावादी नारायणस्वामी और विधान परिषद के सदस्य सी. सी. टी. रवि को भी हिरासत में लिया गया। मार्च निकालने से पहले पार्टी नेताओं ने केआरएस बांध के पास धरना दिया।

इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री बी. एस. येदियुरप्पा और पूर्व सांसद सुमलता अंबरीश भी मौजूद रहीं। विजयेंद्र ने मार्च शुरू होने से पहले सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस सरकार पर किसानों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया, शिवकुमार के कुर्सी संभालने और जब से वह मुख्यमंत्री बने हैं, तब से लगता है कि वह किसानों को भूल गए हैं। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने किसानों के हितों से ज्यादा राजनीति को महत्व दिया। उन्होंने कहा कि कावेरी विवाद में कर्नाटक के अधिकारों की रक्षा करने के बजाय सरकार मुख्यमंत्री की कुर्सी की लड़ाई में ही उलझी रही। विजयेंद्र ने तमिलनाडु को कावेरी का पानी छोड़े जाने के फैसले पर मुख्यमंत्री शिवकुमार से सवाल पूछा और दावा किया कि कोई भी फैसला लेने से पहले न तो कानूनी विशेषज्ञों से गंभीर चर्चा की गई और न ही अन्य संबंधित पक्षों से सलाह ली गई।

शिवकुमार ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री से तीन अगस्त की बैठक टालने का आग्रह किया

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने शुक्रवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. विजय जोसेफ से अपील की कि वह तमिलनाडु को 15 दिनों के लिए रोजाना 3,500 क्यूसेक पानी छोड़ने के सीडब्ल्यूआरसी के निर्देश को बरकरार रखने के सीडब्ल्यूएमए के फैसले के बाद राज्य में तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए अपनी तीन अगस्त की बेंगलूरु की प्रस्तावित यात्रा को स्थगित कर दें। शिवकुमार की अपील पूरे कर्नाटक में व्यापक विरोध प्रदर्शनों के बीच आई। खासकर मांड्या में जोरदार विरोध देखा गया, जहां प्रदर्शनकारियों ने विजय की हाल ही में रिलीज हुई फिल्म जन नायकन'' के पोस्टर फाड़ दिए और कुछ स्थानों पर सिनेमाघरों को इसकी स्क्रीनिंग रोकने के लिए मजबूर किया।

शिवकुमार ने कहा कि राज्य सरकार ने शुरू में बातचीत के लिए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री की मेजबानी करने की तैयारी की थी, लेकिन उनके कैबिनेट सहयोगियों और कानूनी टीम के साथ परामर्श के बाद शांतिपूर्ण माहौल में बैठक सुनिश्चित करने के लिए स्थगन का अनुरोध करने का फैसला किया गया।

मंगलूरु से क्रूज सेवा शुरू करने की संभावनाएं तलाशने पर पर्यटन कंपनी ने जताई सहमति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक पर्यटन विभाग ने मंगलूरु से क्रूज सेवाएं शुरू करने की संभावनाएं तलाशने के लिए एक प्रमुख पर्यटन कंपनी के साथ परामर्श शुरू किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। राज्य के पर्यटन सचिव वी. राम प्रसाथ मनोहर ने बताया कि मुंबई में हुई एक बैठक के दौरान भारत की प्रमुख क्रूज परिचालक कंपनियों में शामिल 'वाटरवेज लीजर टूरिज्म लिमिटेड' ने मंगलूरु से क्रूज सेवाएं शुरू करने की संभावना पर सहमति जताई है। उन्होंने कहा कि यह पहल राज्य के पर्यटन मंत्री के. जे. जॉर्ज के निर्देश पर शुरू की गई है। मनोहर ने बताया कि कंपनी की तकनीकी टीम स्थल का विस्तृत आकलन करेगी, जिसके बाद विभाग उसकी रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई करेगा। उन्होंने कहा, इसके साथ ही हम मंगलूरु में अंतरराष्ट्रीय स्तर का 'क्रूज टर्मिनल' स्थापित करने की संभावनाओं पर भी विचार कर रहे हैं।'' एक आधिकारिक बयान के अनुसार, पर्यटन विभाग के सचिव के नेतृत्व में वरिष्ठ अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने 'वाटरवेज लीजर टूरिज्म लिमिटेड' के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जुर्गन बैलोम और बंदरगाह परिचालन के सहायक निदेशक भरत आचार्य के साथ विस्तृत चर्चा की। बयान में कहा गया है कि बैठक में मंगलूरु से क्रूज सेवाएं शुरू करने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे, परिचालन संबंधी जरूरतों, बाजार की संभावनाओं और अन्य प्रमुख पहलुओं पर चर्चा हुई।

पर्यटन मंत्री जॉर्ज ने कहा कि कर्नाटक का समुद्री तट क्रूज पर्यटन के लिए व्यापक संभावनाएं रखता है। उन्होंने कहा कि सरकार इस क्षेत्र के विकास के लिए प्रमुख कंपनियों के साथ मिलकर जरूरी बुनियादी ढांचा विकसित करने और अनुकूल माहौल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, इस पहल से तटीय पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, रोजगार के अवसर पैदा होंगे और क्षेत्र में निवेश आकर्षित होगा।''

कारोबारी की गोली मारकर हत्या

उडुप्पी। कर्नाटक के उडुप्पी जिले में शुक्रवार तड़के अज्ञात हमलावरों ने एक कारोबारी की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान इवान रिचर्ड मस्कारेनहास के रूप में हुई और यह घटना उडुपी जिले के कुंदापुर शहर में चर्च रोड पर हुई। पुलिस ने बताया कि मस्कारेनहास को गोली लगी थी और उसका शव उसकी कार के पास मिला।

पुलिस के मुताबिक, घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भाजपा समर्थक मंच ने परीक्षा प्रवेश प्रणाली में व्यापक बदलाव का सुझाव भेजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भाजपा समर्थक मंच के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष नितेश शरण ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक विस्तृत नीति-सुझाव भेजते हुए देश की परीक्षा प्रणाली, विशेष रूप से एनईईटी आधारित मेडिकल प्रवेश प्रक्रिया में व्यापक सुधार का प्रस्ताव रखा है। अपने सुझाव में शरण ने कहा है कि एनईईटी का उद्देश्य योग्य एवं प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का चयन करना है, किन्तु केवल एक उच्च-दबाव वाली परीक्षा के आधार पर किसी विद्यार्थी की योग्यता, समर्पण, नैतिक मूल्यों तथा दीर्घकालिक क्षमता का पूर्ण मूल्यांकन संभव नहीं है। उन्होंने सुझाव दिया है कि सरकार एक ऐसे वैकल्पिक मॉडल पर विचार करे, जिसमें कक्षा 10 के बाद स्वेच्छा से चिकित्सा क्षेत्र चुनने वाले विद्यार्थियों के लिए एकीकृत मेडिकल एवं हेल्थ साइंस शिक्षा मार्ग प्रारम्भ किया जाए। इस प्रस्ताव के अनुसार विद्यार्थियों का चयन केवल एक प्रवेश परीक्षा से नहीं, बल्कि अगले पाँच से सात वर्षों तक होने वाले चरणबद्ध (सेमेस्टर आधारित) शैक्षणिक एवं व्यावहारिक मूल्यांकन के आधार पर किया जाए। प्रस्ताव के अनुसार इस व्यवस्था से: एकल परीक्षा पर निर्भरता कम होगी। शरण ने प्रधानमंत्री कार्यालय से अनुरोध किया है कि इस सुझाव को शिक्षा मंत्रालय, व संबंधित संस्थाओं को भेजकर विशेषज्ञ समिति के माध्यम से परीक्षण कराया जाए।

स्कूल-कॉलेजों में 'जंक फूड' की बिक्री पर प्रतिबंध

मंगलूरु। कर्नाटक खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने विद्यार्थियों के बीच स्वस्थ खानपान की आदतों को बढ़ावा देने के उपायों के तहत स्कूल, कॉलेज एवं शैक्षणिक संस्थानों के 50 मीटर की परिधि में 'जंक फूड' की बिक्री पर प्रतिबंध लगाया है। विभाग द्वारा शुक्रवार को जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक, सुरक्षित, पौष्टिक और गुणवत्तापूर्ण खाद्य तक विद्यार्थियों की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के दिशानिर्देशों के अनुरूप यह निर्णय किया गया है। जुलाई, 2026 में पूरे राज्य में प्रवर्तन के तहत खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने 134 स्कूल और कॉलेज एवं इनके परिसरों के भीतर व आसपास परिचालन कर रहे खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। इस निरीक्षण में खाद्य गुणवत्ता, साफ सफाई, लेबलिंग, खराब हो चुके खाद्य उत्पादों की बिक्री और खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत अनिवार्य लाइसेंस एवं पंजीकरण की जांच की गई। विज्ञप्ति के मुताबिक, इस

अभियान के दौरान अधिकारियों ने 53 खाद्य नमूने संदिग्ध पाए जिन्हें विश्लेषण के लिए बेंगलूरु स्थित प्रयोगशाला में भेजा गया और यदि उल्लंघन की पुष्टि होती है तो संबंधित खाद्य कारोबार संचालकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

विभाग ने कहा कि इस संबंध में 21 जुलाई से प्रभावी एक परामर्श के तहत शैक्षणिक संस्थानों और खाद्य विक्रेताओं को परिसरों के भीतर स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक खाद्य वस्तुओं की बिक्री से बचने का निर्देश दिया गया है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

निविदा सूचना सं: 07-CWS-MYSS-2026-27 दिनांक: 25.07.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
बीआरएस (सर्फेज़ फिनीशिंग एक्वूपमेंट मेक) पर एयरलेस बोगी शॉट ब्लॉस्टिंग मशीन (यूसी नं. 140453001) के लिए समग्र रखरखाव वार्षिक अनुबंध।	रु. 8,40,000/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 17.08.2026, 13:30 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

उप मुख्य कार्यशाला प्रबंधक/कैरिएज मरम्मत कार्यशाला/मैसूरु

PUB/341/AAMG/PRB/SWR/2026-27

आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए RailOne ऐप डाउनलोड करें।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे

निविदा सूचना सं: 19/SBC/26 दिनांक: 24.07.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/उत्तर/बेंगलूरु (एसबीसी) खंडः यशवंतपुरः यशवंतपुर पर नई एसी लोको ट्रिप शेड का निर्माण। रखरखाव की अवधिः 3 वर्ष।	रु. 7,34,32,202/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 17.08.2026, 15:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/समन्वय/बेंगलूरु

PUB/343/AAMG/PRB/SWR/2026-27

आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए RailOne ऐप डाउनलोड करें।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना सं: Y/E.29/2026-27/60 दिनांक: 24.07.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
(पुनर-निविदा) पांडवपुरा (पीएएनपी) और श्रीरंगपट्टना (एस): पांडवपुरा (पीएएनपी) में पीएफ-1 पर सामन्य प्रतीक्षा रूम, पीएफ-2 पर शौचालय ब्लॉक, पीएफ-1 व 2 पर पूर्ण लंबाई पीएफ शेल्टर और श्रीरंगपट्टना (एस) पर प्रतीक्षा रूम और पॉर्किंग का सुधारण कार्य।	रु. 88,47,623.96/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 17.08.2026, 11:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

वरिष्ठ विभागीय इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/जनरल/मैसूरु

PUB/333/AAMG/PRB/SWR/2026-27

आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए RailOne ऐप डाउनलोड करें।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. 18 UBL 2026-27, दिनांक: 28.07.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित अनुसूची के अनुसार ई-नीलामी / ई-निविदा हेतु निविदादाताओं को आमंत्रित करते हैं:

क्र.सं.	विवरण संक्षेप में	अनुमानित लागत
1	हुबली मंडलः उप कार्य-1: सहायक मंडलीय इंजीनियर/विजयपुरा (बीजेपी) उप मंडल में बादामी - होटगी (बीडीएम-एचजी) पर 41 नं. एलसी गेटों के लिए 24 महिने तक प्राईवेट एजेन्सी से पीवीसी टंकियों मे पंप करने के साथ पेय जल का संचार। उप कार्य-2: हुबली मंडलः सहायक मंडलीय इंजीनियर/विजयपुरा (बीजेपी) क्षेत्राधिकार पर 24 महीने की अवधि के लिए लेवेल क्रॉसिंग गेटों और गैंग यूनिट के लिए पानी का आपूर्ती।	रु. 42,13,991.00
2	हुबली मंडलः हुबली-गदग (यूबीएल-जेडीजी) खंडः कुसुगल (केयूजी) डिपो के लिए बैरिकेडिंग।	रु. 18,86,039.00
3	बुबली मंडलः गदग - होटगी (जीडीजी-एचजी) खंडः आलमट्टी - वंडाल (एलएमटी-डब्ल्यूडीएल) स्टेशनों पर क्रमानुसार किमी. 135/500-600 पर एलसी नं. 58 के बदले नियमित ऊंचाई सबवे का निर्माण कार्य।	रु. 8,42,20,970.00

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 25.08.2026, 11:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

PUB/344/AAMG/PRB/SWR/2026-27 वरिष्ठ विभागीय इंजीनियर / समन्वय / हुबली

आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए RailOne ऐप डाउनलोड करें।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे

06.08.2026 और 10.06.2026 को ई-नीलामी की समय-सारिणी

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी बोलीदाताओं को नीचे निर्धारित अनुसार अनुबंधों के लिए ई-नीलामी में भाग लेने के लिए आमंत्रित करते है:

क्र. सं.	ई-निलोमी कैटलॉग सं	रेल और स्टेशन	वर्ग / उप-वर्ग	ई-निलोमी का तिथि एवं समय
1	एमवायएस-एसएलआर-2026	एमवायएस-एनझड़एम	12781-एसएलआर-एफ1-एमवायएस-एनझड़एम-26-1 (पॉर्सल-एसएलआर)	06.08.2026 14:00 बजे
2	एमवायएस-एसएलआर-2026	एमवायएस-जेपी	12975-एसएलआर-एफ1-एमवायएस-जेपी-26-1 (पॉर्सल-एसएलआर)	06.08.2026 14:00 बजे
3	एमवायएस-एसएलआर-2026	एमवायएस-जेपी	12975-एसएलआर-एफ1-एमवायएस-जेपी-26-1 (पॉर्सल-एसएलआर)	06.08.2026 14:30 बजे
4	पॉर्किंग-आरएनआर-26	राणीबेन्नूर (आरएनआर) रेलवे स्टेशन पर पॉर्किंग का अनुबंध	पॉर्किंग-एमवायएस-आईएनआर-एमक्स-20-22-1 (पॉर्किंग - मिश्रित)	10.08.2026 15:00 बजे

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक/मैसूरु

PUB/338/AAMG/PRB/SWR/2026-27

आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए RailOne ऐप डाउनलोड करें।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

मजबूत फैसलों से हो रहा युवाओं और किसानों का कल्याण : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान शौर्य और पराक्रम की भूमि होने के साथ ही आस्था और विश्वास की पावन धरती है। यहां पग-पग पर आस्था धाम हैं तथा कई महापुरूषों ने अपने अलौकिक चमत्कारों से लोकहितकारी कार्य किए हैं। ओम बन्ना के प्रति श्रद्धालुओं की अटूट आस्था है। वे उन्हें सड़क दुर्घटनाओं से रक्षा करने तथा मनोकामनाओं को पूर्ण करने के लिए श्रद्धापूर्वक पूजते हैं। मुख्यमंत्री शुक्रवार को ओम बन्ना मंदिर के लिए भूमि आवंटन के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित आभार समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पाली जिले के चोटीला में ओम बन्ना मंदिर के विस्तार और सुव्यवस्थित विकास के लिए हमारी सरकार द्वारा भूमि आवंटित की गई है। इससे मंदिर परिसर का अच्छा विकास होगा और धार्मिक पर्यटन को भी गति मिलेगी।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकास भी-विरासत भी' के मंत्र को आत्मसात कर प्रदेश के समग्र विकास के लिए कार्य कर रही है। हमने ढाई वर्ष में विरासत स्थलों और आस्था धामों के विकास के लिए अनेक कदम उठाए हैं। राजस्थान में पृथ्वीराज चैहान, मीरा बाई, राणा सांगा, हाड़ी रानी और वीर शिरोमणि राव चंद्रसेन जैसे अनेक पैनोरमाओं का निर्माण कार्य करवाया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2026-27 के बजट में धार्मिक पर्यटन को नई गति देने के लिए भी महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं। पुष्कर, खाटूश्यामजी, नाथद्वारा, केशोरायपाटन, डीग और चित्तौड़गढ़ जैसे धार्मिक शहरों में हेरिटेज वॉक वे का निर्माण करवाएंगे। इसी प्रकार, किराडू के मंदिर समूह के संरक्षण एवं जीर्णोद्धार के कार्य होंगे। शेखावाटी की ऐतिहासिक हवेलियों के संरक्षण के लिए भी काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पाली के करूणामूर्ति धाम, ब्यावर के मकरमंडी माताजी मंदिर में विकास कार्य कराए जाएंगे। वहीं, राज्य सरकार वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत 1 लाख से अधिक वरिष्ठ नागरिकों को तीर्थ यात्रा करवा चुकी है। इस वर्ष भी हजारों वरिष्ठजनों को हवाई मार्ग से नेपाल के पशुपतिनाथ और एसी ट्रेन से विभिन्न तीर्थ स्थलों की यात्रा करवाई जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देवस्थान विभाग की धर्मशालाओं की मरम्मत एवं जीर्णोद्धार के कार्य किए जाएंगे। साथ ही, श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए देवस्थान विभाग के अधीन खाली भूमि पर धर्मशालाओं के निर्माण एवं संचालन के लिए नई नीति बनाई जाएगी। इसी प्रकार, दीपावली, होली, शिवरात्रि, रामनवमी, गुरु पूर्णिमा जैसे त्योहारों पर मंदिरों में विशेष साज-सज्जा व आरती के कार्यक्रम आयोजित होंगे। उन्होंने कहा कि जहां आस्था का सम्मान होता है, वहां संस्कृति सशक्त होती है, समाज संगठित होता है और विकास को नई दिशा मिलती है। उन्होंने प्रदेशवासियों से समृद्ध सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को सहेजते हुए विकसित, समृद्ध और गौरवशाली राजस्थान बनाने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए पानी एवं बिजली के क्षेत्र में विभिन्न परियोजनाओं को धरातल पर उतार रही है, जिससे इनकी पर्याप्त उपलब्धता बढ़ रही है। मजबूत फैसलों से पेपरलीक पर लगाम लगाई है तथा युवाओं के लिए रिकॉर्ड भर्तियों से लेकर स्वरोजगार के समुचित अवसर उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। किसानों और पशुपालकों के कल्याण के लिए भी विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इस अवसर पर विधायक पुष्पेन्द्र सिंह राणावत सहित ओम बन्ना मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारी, मारवाड़ राजपूत सभा के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

छात्र संघ चुनाव करवाने की मांग को लेकर एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने शुरू किया अनशन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में छात्रसंघ चुनाव बहाल कराने की मांग को लेकर पानी की टंकी पर चढ़े एनएसयूआई के तीन कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार से आमरण अनशन शुरू करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि जब तक सरकार उनकी मांग पर पक्का आश्वासन नहीं देती, वे सिर्फ़ पानी पीकर रहेंगे। नेशनल स्टूडेंटस यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) से जुड़े विजयपाल कुड़ी, वियोना जाट और कोशेन खान बृहस्पतिवार सुबह आठ बजे गांधी नगर रेलवे स्टेशन इलाके में टोंक फाटक पुल के पास पानी की टंकी पर चढ़े थे और तब से वहीं हैं।

विजयपाल कुड़ी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि उनके पास लगभग पांच लीटर पानी है। कुड़ी ने कहा, अब हमारे पास खाना नहीं है। हम अपने साथ कुछ खाना और एक रस्सी लाए थे ताकि जरूरत पड़ने पर नीचे से खाना ऊपर खींचा जा सके। लेकिन अब हमने अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल की घोषणा कर दी है और सिर्फ़ पानी पिएंगे।

उन्होंने बताया कि कल रात पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने उनसे बातचीत की और भरोसा दिलाया कि वे उप मुख्यमंत्री के साथ बैठक की व्यवस्था करेंगे। कुड़ी ने कहा, हमने उनसे कहा कि हमें ठोस पहल चाहिए। जब तक सरकार छात्र संघ चुनाव बहाल करने का पक्का आश्वासन नहीं देती हम नीचे नहीं आएंगे। टंकी के ऊपर के हालात के बारे में बताते हुए कुड़ी ने कहा कि व्यावहारिक दिक्कतों की वजह से प्रदर्शनकारी अपना खाना और पानी बचाकर इस्तेमाल कर रहे थे। उन्होंने कहा, हम थोड़े पानी और खाने के साथ टंकी पर चढ़े थे। निवृत्त होने की चुनौतियों को देखते हुए हमने कम खाया-पिया।'

गांधी नगर के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) नारायण बाजिया ने कल रात इन आंदोलनाकरियों से बातचीत की थी। उन्होंने कहा कि छात्रों को नीचे उतरने के लिए मनाने की कोशिशें जारी हैं। उन्होंने कहा, ''हम छात्रों के संपर्क में हैं और उन्हें नीचे आने के लिए मनाने की कोशिश कर रहे हैं।

इस बीच, एनएसयूआई के प्रवक्ता रमेश भाटी ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से प्रदर्शनकारियों से कोई सार्थक बातचीत शुरू नहीं किए जाने के कारण शुक्रवार को भूख हड़ताल शुरू की गई। कांग्रेस संबद्ध इस संगठन के कार्यकर्ता राज्य में छात्र संघ चुनाव दुबारा शुरू करने की मांग कर रहे हैं। ये चुनाव कुछ साल से नहीं हुए हैं।

मानसून अभी सक्रिय रहेगा, कई जिलों में भारी से अतिभारी बारिश की चेतावनी

जयपुर। राजस्थान में मानसून की सक्रियता फिलहाल बनी रहने की संभावना है। इस दौरान प्रदेश के कई हिस्सों में भारी से अतिभारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। विभाग के अनुसार, पूर्वी राजस्थान के जयपुर, भरतपुर, अजमेर और उदयपुर संभाग के अधिकांश क्षेत्रों में अगले कुछ दिनों तक मानसून सक्रिय रहेगा। इस दौरान मध्यम से कहीं-कहीं तेज बारिश होने की प्रबल संभावना है। मौसम विभाग ने कोटा, उदयपुर संभाग तथा आसपास के जिलों में कहीं-कहीं भारी से अतिभारी वर्षा की चेतावनी जारी की है। वहीं, पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर और बीकानेर संभाग के कुछ क्षेत्रों में भी वर्षा की गतिविधियों में वृद्धि होने का अनुमान है। विशेष रूप से जोधपुर संभाग के दक्षिणी हिस्सों में 31 जुलाई से दो अगस्त के बीच कहीं-कहीं भारी से अतिभारी वर्षा हो सकती है।

उधर, शुक्रवार सुबह तक बीते 24 घंटों के दौरान राज्य के अनेक हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई, जबकि बांसवाड़ा जिले में भारी वर्षा हुई। इस अवधि में सबसे अधिक 69 मिलीमीटर वर्षा बांसवाड़ा जिले के कुशलगढ़ में दर्ज की गई।

जनजातीय क्षेत्र में उच्च शिक्षा नामांकन के लिए अधिकाधिक प्रयास हों : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने जनजातीय क्षेत्रों में उच्च शिक्षा में नामांकन बढ़ाने के लिए व्यापक प्रयास का आह्वान करते हुए शुक्रवार को कहा कि शिक्षा जितनी गुणवत्तापूर्ण और समयानुकूल होगी, उतनी ही वह जीवन के लिए उपयोगी और सार्थक सिद्ध होगी। राज्यपाल बांसवाड़ा स्थित गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय में नवनिर्मित शैक्षणिक भवन, कुलपति आवास और स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा का ऑनलाइन माध्यम से अनावरण कर रहे थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा जितनी गुणवत्तापूर्ण और समयानुकूल होगी, उतनी ही वह जीवन के लिए उपयोगी और सार्थक सिद्ध होगी। आधिकारिक बयान के अनुसार, उन्होंने जनजातीय क्षेत्रों में उच्च शिक्षा के नामांकन में वृद्धि के लिए विशेष प्रयास किए जाने पर बल दिया।

उन्होंने स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं को आज भी प्रासंगिक बताते हुए कहा कि उनका शिक्षा-दर्शन विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण, आत्मविश्वास और सर्वांगीण विकास पर आधारित है। उन्होंने विश्वविद्यालयों से विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता के विकास के लिए निरंतर प्रयास करने का भी आग्रह किया।

राज्यपाल ने नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत राजस्थान को नशामुक्त बनाने के लिए स्थानीय समुदाय के साथ सतत संवाद और जनजागरण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज जल, जंगल और जमीन का वास्तविक संरक्षक है, ऐसे में इस दृष्टि से विश्वविद्यालय को जनजातीय समुदाय की जल संरक्षण और प्रकृति संरक्षण संबंधी पारंपरिक ज्ञान-परंपराओं पर अधिकाधिक शोध और अनुसंधान करना चाहिए।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उल्लेख करते हुए बागड़े ने कहा कि इसमें 'लोकल से ग्लोबल' और 'आत्मनिर्भर भारत' की अवधारणा के अंतर्गत स्थानीय संसाधनों पर आधारित तकनीकों के आधुनिकीकरण पर विशेष बल दिया गया है। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे ऐसी शिक्षा का प्रसार करें, जिससे विद्यार्थी अपनी क्षमता को पहचान सकें और आत्मनिर्भर बनने का सामर्थ्य विकसित कर सकें। कार्यक्रम में राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी भी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए।

जिला कलेक्टर बनाए गए नोडल अधिकारी : श्रीनिवास

जयपुर। उच्चतम न्यायालय के आदेशों और केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति की सिफारिशों के अनुपालन में राजस्थान सरकार ने राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य क्षेत्र में अवैध बजरी खनन की रोकथाम और पर्यावरण संरक्षण के लिए एक सुदृढ़, आधुनिक एवं पारदर्शी करने मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में की विस्तृत चर्चा। बैठक में मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य सरकार न्यायालय के सभी दिशा-निर्देशों का समयबद्ध एवं पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने संबंधित विभागों को अंतर-विभागीय समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

वी श्रीनिवास ने कहा कि अवैध बालू खनन की रोकथाम, समन्वय और निर्देशों के क्रियान्वयन के लिए संबंधित जिला कलेक्टरों को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। जिला पुलिस अधीक्षकों को अवैध खनन के नेटवर्क को ध्वस्त करने, वित्तीय पोषण करने वालों, परिवहनकर्ताओं और आपराधिक सिंडिकेट्स की पहचान कर सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई है।

उन्होंने कहा कि संरक्षण उपायों को पारदर्शी और सुगम बनाने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के माध्यम से एक एआई-एनालिटिक्स आधारित एक इंटेलिजेंट ऑनलाइन डैशबोर्ड तैयार करने के निर्देश। शुष्क मौसम के दौरान उच्च-रिज़ॉल्यूशन सैटेलाइट इमेज और ड्रोन सर्वे के जरिए नदी के स्वरूप में बदलाव और नए खनन स्थलों की मासिक मैपिंग की जाएगी। इसके अतिरिक्त मुख्य मार्गों और पुलों पर सीसीटीवी, पीटीजेड एवं एआई-सक्षम थर्मल कैमरों से निगरानी रखी जाएगी। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि जिला स्तर पर समन्वय बढ़ाने के लिए संबंधित जिला कलेक्टर द्वार एक एसओपी जारी की जाएगी। साथ ही उपखंड अधिकारियों, तहसीलदार, पुलिस और वन अधिकारियों की संयुक्त टीमें प्रत्येक 15 दिन में आकस्मिक निरीक्षण करेंगी।

लोकसेवकों में नागरिकों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण को बढ़ाने वाली हो प्रशिक्षण व्यवस्था : मुख्य सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि प्रशासनिक व्यवस्था की गुणवत्ता लोकसेवकों की क्षमता, कार्यकुशलता और दृष्टिकोण पर काफी हद तक निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण केवल सेवा की औपचारिक आवश्यकता नहीं है, बल्कि समय की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षु अधिकारियों को तैयार करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों को अधिक व्यवहारिक, समकालीन एवं गुणवत्तापूर्ण बनाया जाए ताकि अधिकारी बदलती प्रशासनिक चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करते हुए सुशासन को और सुदृढ़ बना सकें। मुख्य सचिव शुक्रवार को शासन सचिवालय में आयोजित प्रशिक्षण विभाग एवं हरिश्चन्द्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान (एचसीएम रीपा) की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने संस्थान की प्रशिक्षण गतिविधियों, मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत क्षमता निर्माण कार्यक्रमों, प्रशिक्षण अवसंरचना तथा भावी कार्ययोजना के विषय में चर्चा की एवं अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

उन्होंने निर्देश दिए कि राज्य के प्रशासनिक सेवाओं में कार्यरत अधिकारियों के लिए मिड-कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम विकसित किया जाए। साथ ही विभिन्न सेवाओं के अधिकारियों के लिए भी समय-समय पर ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएं, जिनसे उनकी कार्यक्षमता और नेतृत्व क्षमता का निरंतर विकास हो।

मुख्य सचिव ने कहा कि प्रशासनिक कार्यों में तकनीक का प्रभावी उपयोग समय की आवश्यकता है, इसलिए प्रशिक्षण में आधुनिक तकनीक आधारित प्रशिक्षण एवं डिजिटल शिक्षण को व्यापक रूप से शामिल किया जाए। उन्होंने प्रशिक्षण अवसंरचना के आधुनिकीकरण, आधुनिक कक्षाओं के विकास तथा गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण वातावरण विकसित करने के निर्देश दिए। साथ ही, संस्थान को श्रेष्ठ प्रशिक्षण कार्यक्रमों, शोध, प्रकाशनों एवं अनुभवों के आदान-प्रदान को और अधिक प्रोत्साहित करने को कहा। मुख्य सचिव ने कहा कि संस्थान द्वारा मिशन कर्मयोगी एवं क्षमता निर्माण के क्षेत्र में एचसीएम रीपा ने प्रशासनिक प्रशिक्षण में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि संस्थान को सुशासन की आवश्यकताओं के अनुरूप नवाचारों को निरंतर अपनाते हुए प्रशासनिक प्रशिक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्टता की अपनी परंपरा को और आगे बढ़ाना चाहिए।

बैठक में हरिश्चन्द्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान की महानिदेशक एवं पदेन अतिरिक्त मुख्य सचिव (प्रशिक्षण) श्रीमती श्रेया गुहा ने संस्थान की विभिन्न प्रशिक्षण गतिविधियों एवं मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत संचालित पहलों की जानकारी दी। उन्होंने साधना सप्ताह जैसे सतत सीखने के अभियानों तथा यूएनएनएटीआई पोर्टल के प्रभावी उपयोग के माध्यम से प्रशिक्षण संस्थानों के बीच संसाधनों, पाठ्य सामग्री एवं विशेषज्ञता के बेहतर आदान-प्रदान के संबंध में भी विस्तार से अवगत कराया।

विधानसभा का छठा सत्र 20 अगस्त से

जयपुर। राजस्थान की 16वीं विधानसभा का छठा सत्र 20 अगस्त से शुरू होगा। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।देवनानी ने बताया कि राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने सत्र आहूत करने की अधिसूचना जारी कर दी है।उन्होंने कहा कि विधानसभा सचिवालय ने सत्र के सुचारु संचालन के लिए सभी आवश्यक प्रशासनिक और व्यवस्थागत तैयारियां शुरू कर दी हैं। उन्होंने बताया कि विधानसभा की कार्यवाही 20 अगस्त, बृहस्पतिवार को पूर्वाह्न 11 बजे शुरू होगी।

सड़क हादसे में सेना के मेजर की मौत

जैसलमेर। जैसलमेर जिले में बृहस्पतिवार देर रात सड़क हादसे में सेना के एक मेजर की मौत हो गई जबकि दो लेफ्टिनेंट गंभीर घायल हुए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार यह हादसा शहर से करीब 18 किलोमीटर दूर थईयात सेना क्षेत्र में हुआ। सदर पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार मेजर हमजा आरिफ (26) और उनके साथ दो अन्य सैन्यकर्मी सैन्य अड्डे से लौट रहे थे। अचानक सामने ऊंट आने से उनका वाहन दुर्घटना का शिकार हो गया। ऊंट से टकराने के बाद उनका वाहन लगभग 100 मीटर तक घिसटता चला गया।घायलों को सैन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया।

राजस्थान पुलिस ने कांवड़ यात्रा के लिए जारी किए विशेष दिशा-निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने हरिद्वार आने-जाने वाले कांवड़ियों के लिए दिशा-निर्देश जारी करते हुए सभी संबंधित पुलिस अधिकारियों को यात्रा के दौरान सतर्कता, आपसी समन्वय और प्रभावी सुरक्षा प्रबंधन सुनिश्चित करने को कहा है। अधिकारियों के अनुसार, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) वी.के. सिंह ने सभी संबंधित जिला पुलिस अधिकारियों को कांवड़ यात्रा के दौरान बेहतर समन्वय, सतर्कता और प्रभावी पुलिस व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश जारी किए हैं।

वी.के. सिंह ने कहा कि राजस्थान सहित विभिन्न राज्यों के श्रद्धालु 30 जुलाई से 11 अगस्त तक हरिद्वार से गंगाजल लेकर अपने-अपने गृहनगर की ओर लौटेंगे। राजस्थान में भी बड़ी संख्या में कांवड़ियों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए पुलिस को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे यात्रा के दौरान अपना मूल एवं वैध पहचान पत्र, जैसे आधार कार्ड या मतदाता पहचान पत्र अनिवार्य रूप से साथ रखें। साथ ही उन्हें केवल निर्धारित पारंपरिक कांवड़ मार्गों और वैकल्पिक मार्गों का ही उपयोग करने की सलाह दी गई है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ने सभी पुलिस अधीक्षकों और पुलिस उपायुक्तों को जमीनी स्तर पर प्रभावी प्रबंधन के निर्देश दिए हैं जिसके तहत किसी भी घटना की सूचना मिलने पर निकटतम पुलिस दल को 10 मिनट के भीतर मौके पर पहुंचना होगा। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर फर्जी अथवा पुराने वीडियो और अफवाहें फैलाने वालों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। इसके अलावा यातायात व्यवस्था में किसी भी प्रकार का अचानक और पूर्व सूचना के बिना परिवर्तन नहीं किया जाएगा।

दिशा-निर्देशों के अनुसार, मिश्रित एवं संवेदनशील क्षेत्रों से कांवड़ यात्रा गुजरने के दौरान भवनों की छतों पर पुलिस बल तैनात रहेगा तथा संपूर्ण मार्ग की वीडियोग्राफी भी कराई जाएगी।

आंकड़ों का क्रॉस वेरिफिकेशन कर पात्रों तक पहुंचाएं योजनाओं का लाभ : मुख्य सचिव

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि राज्य सरकार समाज के कमजोर, जरूरतमंद एवं वंचित वर्गों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के साथ-साथ शिक्षा, पोषण एवं आर्थिक सशक्तिकरण सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति एवं पालनहार योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से प्रदेश के लगभग एक करोड़ परिवारों को प्रत्यक्ष लाभ मिल रहा है। मुख्य सचिव शुक्रवार को शासन सचिवालय में आयोजित सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति एवं पालनहार योजना की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

मुख्य सचिव ने योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता एवं दक्षता बढ़ाने के लिए राज्य के सभी पेंशनरों के आंकड़ों का समुचित विश्लेषण करने हेतु प्रभावी डेटा डैशबोर्ड विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तकनीक आधारित मॉनिटरिंग से योजनाओं का संचालन अधिक प्रभावी एवं पारदर्शी बनाया जा सकेगा।

मुख्य सचिव ने जिला-वार पेंशनरों के आंकड़ों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आंकड़ों का क्रॉस वेरिफिकेशन कर वास्तविक पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पेंशन स्वीकृति एवं वितरण में आने वाली सभी प्रकार की बाधाओं को दूर किया जाएं।

भारत राष्ट्र महान, मेरा देश कमजोर ना हो : देवनानी

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शुक्रवार को उदयपुर के मोहन लाल सुखाडिया विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित युवा एवं आन्तरिक सुरक्षा विषयक मोहन लाल सुखाडिया स्मृति व्याख्यान माला का विधान सभा से वर्चुअल शुभारम्भ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा है कि भारत राष्ट्र महान है। इसकी एकता, अखण्डता, स्वतन्त्रता व संविधान की रक्षा की जिम्मेदारी युवाओं की है। युवा देश का भविष्य के साथ वर्तमान भी है। युवाओं का सही दिशा में चलना राष्ट्र की आन्तरिक सुरक्षा के लिए आवश्यक है। देवनानी ने कहा कि बदलते दौर में राष्ट्र की बाहरी सुरक्षा के साथ आन्तरिक सुरक्षा अधिक चुनौतिपूर्ण बनती जा रही है। मेरा देश कमजोर न हो, यह भाव सभी युवाओं के मन, मस्तिष्क में होना चाहिए।

देवनानी ने पूर्व मुख्यमंत्री स्व. सुखाडिया की जयन्ती पर उन्हें नमन करते हुए कहा कि वे राजस्थान के शिल्पी थे। लम्बे समय तक वे राज्य के मुख्यमंत्री रहे। देवनानी ने युवा एवं आन्तरिक सुरक्षा विषय को वर्तमान सन्दर्भ में सामयिक और महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि वर्तमान में युवाओं को साइबर सुरक्षा के योद्धा बनने की आवश्यकता है।

देवनानी ने कहा कि युवा यदि सही दिशा में चलता है तो राष्ट्र को शिखर तक ले जा सकता है। वही युवा भ्रम, भटकाव, असन्तोष, नकारात्मकता और विखण्डन के जाल में फंस जाए तो युवा शक्ति राष्ट्र के लिए चुनौती बन जाती है। उन्होंने कहा कि यदि युवा सजग है, उत्तरदायी है, समाज में विश्वास है तो आन्तरिक सुरक्षा अपने आप मजबूत होती जाती है।

भाजपा ने पाकिस्तान पर पीओजेके में मानवाधिकार उल्लंघन का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/श्रीनगर/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि पाकिस्तान के कब्ज़े वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन हो रहा है तथा पाकिस्तान आम नागरिकों को निशाना बना रहा है। पार्टी ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय तथा जम्मू-कश्मीर की राजनीतिक पार्टियों से इन कथित अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाने की अपील की। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता डॉ. ताहिर चौधरी ने यहां प्रेसवार्ता में कहा, पीओजेके में हालात काफी खराब हो गए हैं। महिलाओं और बच्चों समेत बेगुनाह नागरिकों को (पाकिस्तान के सुरक्षाबलों द्वारा) कथित रूप से निशाना बनाया जा रहा है, लेकिन अफसोस की बात है कि अंतरराष्ट्रीय नेतृत्व और संगठन इस पर खामोश हैं।''

इस प्रेसवार्ता में चौधरी के साथ पार्टी के दूसरे प्रवक्ता डॉ. अभिजीत सिंह जसरोटिया भी थे। चौधरी ने आरोप लगाया कि पीओजेके से सामने आ रहे वीडियो में वहां के लोग अंतरराष्ट्रीय दखल की अपील कर रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) और कांग्रेस समेत क्षेत्रीय राजनीतिक दलों ने इन कथित घटनाओं की निंदा क्यों नहीं की है। उन्होंने कहा, मैं इन पार्टियों के नेताओं से पूछता हूं कि वे पीओजेके के लोगों पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ खुलकर क्यों नहीं बोल रहे हैं।

जसरोटिया ने मीरपुर में 1947 के संघर्ष से जुड़ी घटनाओं को याद करते हुए आरोप लगाया कि पाकिस्तान समर्थित कबायली हमले के दौरान कई आम नागरिकों को नुकसान उठाना पड़ा । उन्होंने संघर्ष से जुड़े फैसलों को लेकर उस समय के राजनीतिक नेतृत्व की आलोचना की। हाल की घटनाओं का ज़िक्र करते हुए, उन्होंने आरोप लगाया कि पीओजेके में आम नागरिक निहत्थे होने के बावजूद हिंसा का सामना कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तानी सेना ने हाल में एक युवा राजनीतिक कार्यकर्ता को गोली मार दी। श्रीनगर से प्राप्त समाचार के अनुसार कश्मीर के धार्मिक गुरू मीरवाइज़ उमर फ़ारूक़ ने शुक्रवार को पाकिस्तान के कब्ज़े वाले जम्मू-कश्मीर हालात पर चिंता जताई तथा बातचीत करने एवं अधिकारों का सम्मान करने की अपील की। फारूक़ ने श्रीनगर में जामिया मस्जिद में शुक्रवार की नमाज़ के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए कहा, आज, जब हम प्रार्थना के लिए इकट्ठा हुए हैं, तो हमारी भावनाएं नियंत्रण रेखा के उस पार रहने वाले हमारे भाइयों और बहनों के साथ हैं। पिछले डेढ़ महीने से जारी अशांति और कीमती जानें जाने की दुखद घटनाओं से हमें गहरा दुख पहुंचा है।

अयोध्या राम मंदिर में श्रद्धालुओं के दान-चढ़ावे की निगरानी सख्त हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/भाषा। राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी की जांच के बीच श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास ने श्रद्धालुओं के दान-चढ़ावे की निगरानी सख्त कर दी है तथा संग्रह के हर चरण और गिनती की प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराई जा रही है। न्यास के महंत दिनेन्द्र दास ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

दास ने बताया कि 25 जुलाई से नई व्यवस्था लागू की गई है जिसमें दान के रखरखाव की पूरी शृंखला - दान पेटियों को खाली करने से लेकर गणना कक्ष तक में गिनती और आगे की प्रक्रिया सतत कैमरे की निगरानी में संपन्न कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि इसके लिए आठ सदस्यीय निगरानी टीम तैनात की गई है और हर जगह इस प्रक्रिया को रिकॉर्ड किया जा रहा है। मंदिर परिसर में स्थापित करीब 40 दान पेटियां एक बार में खाली करने के बजाय अलग अलग दिनों में खाली की जा रही हैं। दास ने कहा, दान पेटी खाली करने से पूर्व गणना कक्ष से खाली पेटी लाने, उसे रखने और सीलबंद पेटी को गणना कक्ष में ले जाने की संपूर्ण प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराई जाती है। इसके लिए दो पेशेवर वीडियोग्राफर तैनात किए गए हैं। उन्होंने कहा, वहीं निगरानी टीम में दो बैंक कर्मचारी, न्यास के दो प्रतिनिधि, दो निजी सुरक्षा कर्मी और अन्य कर्मचारी शामिल हैं। दान से भरी पेटी जब गणना कक्ष में पहुंचाई जाती है तो भारतीय स्टेट बैंक के अधिकारी उस पर सील लगाते हैं जिससे यह प्रक्रिया अधिक विश्वसनीय बन जाती है। उन्होंने कहा, ''दान की गणना वाले कक्ष में अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। अब राम मंदिर में एक पैसा भी इधर से उधर नहीं जा सकता...सबकुछ सुरक्षित है। न्यास आगे भी इस व्यवस्था में सुधार करना जारी रखेगा।'' उन्होंने कहा कि यदि प्रशासन सख्त हो जाए तो चोरी अपने आप रुक जाएगी।

न्यास में हाल ही में हुए बदलाव पर दास ने कहा कि न्यास की बैठक में लिए गए सभी निर्णय सभी को स्वीकार होंगे। उन्होंने कहा कि सावन मास में झूला उत्सव सहित धार्मिक परंपराएं पूर्व की तरह जारी रहेंगी। राम मंदिर में चढावे की कथित चोरी की घटना के बाद विशेष जांच टीम का गठन किया गया।

न्यायालय ने मुसलमानों में बहुविवाह की प्रथा संबंधी याचिका पर केंद्र से जवाब मांगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को केंद्र सरकार से उस याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें मुसलमानों में बहुविवाह की प्रथा को संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन मानते हुए असंवैधानिक घोषित करने का अनुरोध किया गया है।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची एवं वी. मोहना की पीठ ने महिला अधिकार कार्यकर्ता जकिया सोमन, नूरजहां सफिया नियाज और अन्य की याचिका पर केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया। पीठ ने इस याचिका को पहले से लंबित मामलों के साथ संलग्न कर दिया। याचिका में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 82 को लागू करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है, जो मुस्लिम पर्सनल लॉ' के तहत मिलने वाली किसी भी छूट को हटाते हुए बहुविवाह के लिए समान रूप से सजा का प्रावधान करती है। इसमें केंद्र सरकार से बहुविवाह की प्रथा को खत्म करने के लिए कानूनी कदम उठाने और यह सुनिश्चित करने के लिए निर्देश देने का अनुरोध किया गया है कि चाहे कोई भी धर्म हो उसमें सभी नागरिकों के लिए इसे शुरूआत से ही 'अमान्य' माना जाए। मुस्लिम महिलाओं के कानूनी अधिकारों और संरक्षण के लिए कई अन्य निर्देश का अनुरोध करने के अलावा, याचिका में प्राधिकारों के पास सभी मुस्लिम शादियों और तलाक का अनिवार्य पंजीकरण कराने के निर्देश जारी करने का भी आग्रह किया गया, ताकि चोरी-छिपे होने वाली शादियों पर रोक लगाई जा सके।

तृणमूल सरकार के दौरान बीरभूम में 15,000 करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान हुआ : शुभेंदु अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि बीरभूम जिले में पिछले 15 वर्षों में लगभग 15,000 करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान हुआ है और पिछली सरकार के समर्थन के बिना ऐसा होना मुमकिन नहीं था। अधिकारी ने यहां राज्य सचिवालय में संवाददाता सम्मेलन में दावा किया कि पत्थरों के व्यापारी मोहम्मद नजीबुद्दीन उर्फ टुल्लू मंडल के इर्द-गिर्द चल रहा यह गिरोह राजनीतिक संरक्षण और संस्थागत समर्थन के बिना इतने वर्षों तक नहीं चल सकता था। टुल्लू मंडल अभी फरार है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई सरकारी विभाग या तो मिलीभगत में शामिल थे या फिर ऊपर से मिले निर्देशों के तहत चुप रहे।

अधिकारी ने इस बात की ओर इशारा किया कि पुलिस की अब तक की जांच के अनुसार, मंडल ने पिछले कुछ वर्षों में 242 गाड़ियां, 21 संपत्तियां और 300 बीघा ज़मीन जमा कर ली थी। उन्होंने आरोप लगाया, पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के समर्थन के बिना, इतने बड़े गिरोह का इतने लंबे समय तक चलना नामुमकिन है।

उन्होंने कहा, एक इलाके में सिर्फ एक चीज (पत्थर के व्यापार) से 1,000 करोड़ रुपये की हेराफेरी का मतलब है कि पिछले 15 साल से राज्य चलाने वाली सरकार सिर्फ एक जिले से सालाना 15,000 करोड़ रुपये के राजस्व नुकसान के लिए जिम्मेदार है। हम इस हेराफेरी से सबसे ज्यादा फायदा उठाने वाले का पता लगाएंगे और इसके लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें इस काम को पूरा करने के लिए बंगाल पुलिस पर पूरा भरोसा है।

अप्रत्यक्ष रूप से भाजपा के लिए काम कर रहा था ताहिर हुसैन : सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि ''खुफिया ब्यूरो (आईबी) के अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा पाने वाला पार्टी का पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन परोक्ष रूप से भाजपा के लिए काम कर रहा था।'' फरवरी 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए सांप्रदायिक दंगों को लेकर भाजपा द्वारा आप को जिम्मेदार ठहराए जाने संबंधी आरोपों को खारिज करते हुए भारद्वाज ने कहा कि दंगों से पहले हुसैन के भाजपा से राजनीतिक संबंध थे। उन्होंने कहा कि अंकित शर्मा हत्याकांड में हुसैन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज होते ही आम आदमी पार्टी ने उसे तत्काल पार्टी से निष्कासित कर दिया था।

भारद्वाज ने आरोप लगाया कि जहां आप ने हुसैन के खिलाफ कार्रवाई की, वहीं भाजपा ने दंगों से जुड़े अन्य मामलों में गंभीर आरोपों का सामना कर रहे नेताओं का समर्थन जारी रखा। उन्होंने आरोप लगाया कि अब भाजपा इस मामले की जिम्मेदारी आप पर डालने की कोशिश कर रही है। इससे पहले, हुसैन को दोषी ठहराए जाने के बाद भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने आरोप लगाया कि दंगों के दौरान अरविंद केजरीवाल सहित आम आदमी पार्टी के प्रमुख नेताओं ने हुसैन को ''संरक्षण'' दिया था। मल्होत्रा ने कहा कि दिल्ली की एक अदालत द्वारा हुसैन को दोषी ठहराया जाना इस बात का प्रमाण है कि आम आदमी पार्टी के नेताओं ने दंगों को भड़काया था।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए बसपा ने 25 सीटों पर तय किए उम्मीदवार : मायावती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने शुक्रवार को कहा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी ने लगभग 25 सीटों पर उम्मीदवार तय कर लिए हैं। चार बार मुख्यमंत्री रहीं मायावती ने वर्ष 2007 में अपने दम पर बसपा की बहुमत की सरकार बनाई। 2012 से पार्टी का प्रदर्शन लगातार गिरा है और 2022 के चुनाव में बसपा सिर्फ एक सीट पर सिमट गई थी। उप्र विधानसभा की 403 सीटें हैं। अपने आधिकारिक एक्स पर एक पोस्ट में मायावती ने कहा कि चुनाव की तैयारी के लिए लखनऊ स्थित पार्टी के प्रदेश कार्यालय में राज्य स्तरीय कई बैठकें की जा चुकी हैं और आगे भी होंगी। इन बैठकों में प्रदेश और मंडल स्तरीय पदाधिकारियों को उम्मीदवार चयन के लिए जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने पोस्ट में कहा, साक्षात्कार लेकर अब तक लगभग दो दर्जन से ज्यादा उम्मीदवार तय कर दिए गए हैं। आगे भी सभी सीटों पर उम्मीदवारों का अंतिम फैसला मेरे द्वारा ही किया जाएगा। मायावती ने कहा कि उम्मीदवार चयन को लेकर राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद (बसपा प्रमुख के भतीजे) के संबंध में तरह-तरह के भ्रम फैलाए जा रहे हैं, जिसमें रत्ती भर भी सच्चाई नहीं है। पिछले दिनों मीडिया में यह खबरें आई थीं कि बसपा प्रमुख के भतीजे आकाश आनंद को उम्मीदवारों के चयन की ज़िम्मेदारी दी गई है। बसपा प्रमुख ने स्पष्ट किया कि न सिर्फ उप्र में, बल्कि पूरे देश में विधानसभा और लोकसभा चुनावों में उम्मीदवारों के नामों को अंतिम रूप मैं ही देती हूं।

मायावती ने पोस्ट में कहा कि जिन सीटों पर उम्मीदवार तय हो चुके हैं, वहां उनकी अनुमति से पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी छोटी-बड़ी जनसभाएं कर घोषणा कर रहे हैं। इसी क्रम में आकाश आनंद भी कुछ सीटों पर जनसभा कर उम्मीदवारों का ऐलान करेंगे।

'कामकोटि के बारे में प्रियंका की टिप्पणी वैज्ञानिक, अकादमिक समुदाय का अपमान'

कानपुर (उप्र)/भाषा। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा की आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रो. वी. कामकोटि के बारे में टिप्पणी को देश के वैज्ञानिक और अकादमिक समुदाय का अपमान करार दिया है।

प्रोफेसर पाठक ने पीटीआई-भाषा' के साथ बातचीत में कहा कि वैज्ञानिकों और शिक्षाविदों को राजनीतिक बहसों से दूर रहना चाहिए, क्योंकि वे किसी राजनीतिक विचारधारा के बजाय समाज और ज्ञान को आगे बढ़ाने के लिए काम करते हैं। उन्होंने कहा, मैं भी शोधार्थी रहा हूं। जन-प्रतिनिधियों को वैज्ञानिकों के बारे में ऐसी टिप्पणियां करने से बचना चाहिए। प्रियंका गांधी की कामकोटि के बारे में ''गोमूत्र विशेषज्ञ'' टिप्पणी पर पाठक ने कहा कि इस बयान से देश भर के वैज्ञानिकों और शिक्षकों की भावनाएं आहत हुई हैं। पाठक ने कहा कि भारत की ज्ञान परंपरा में विद्वानों को हमेशा सर्वोच्च सम्मान दिया गया है और वैज्ञानिकों को उनके अकादमिक योगदान के आधार पर आंका जाना चाहिए, न कि राजनीतिक नजरिए से।

तसलीमा नसरीन 19 साल बाद कोलकाता लौटीं, उन्होंने इसे घरवापसी बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। निर्वासन में रह रहीं बांग्लादेशी लेखिका तसलीमा नसरीन शुक्रवार को लगभग 19 साल बाद कोलकाता लौटीं तथा उन्होंने इस यात्रा को उस शहर (कोलकाता) में भावनात्मक घरवापसी बताया जिसे वह आज भी अपना मानती हैं। उनका आगमन शनिवार को होने वाले एक साहित्यिक कार्यक्रम से ठीक पहले हुआ है जिसे पश्चिम बंगाल की नई भाजपा सरकार के तहत राजनीतिक रूप से अहम माना जा रहा है।

यहां हवाई अड्डे पर स्वागत के लिए इंतजार कर रहे लोगों का नसरीन ने हाथ जोड़कर अभिवादन किया और कहा, वापस आकर मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। यह उनकी नवंबर 2007 के बाद कोलकाता की पहली यात्रा है। उस समय अपनी रचनाओं के विरोध में हुए हिंसक प्रदर्शनों के कारण उन्हें शहर छोड़ना पड़ा था। बांग्लादेश से निर्वासन के बाद वह कोलकाता को अक्सर अपने घर जैसा सबसे निकट का स्थान बताया करती थीं। लेखिका यहां रवींद्र सदन में कट्टरपंथ-विरोधी साहित्यिक कार्यक्रम में पहली बार सार्वजनिक रूप से शामिल होंगी। उम्मीद है कि वह कार्यक्रम में कविता-पाठ करेंगी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी और मशहूर लेखक शीर्षेंदु मुखोपाध्याय एवं अन्य लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। हालांकि, इसकी एक साहित्यिक कार्यक्रम के तौर पर परिकल्पना की गयी, लेकिन प.बंगाल में भाजपा सरकार बनने के कुछ माह बाद तथा अभिव्यक्ति की आजादी, धर्मनिरपेक्षता और धार्मिक भावनाओं के प्रति राज्य के रवैये पर फिर से शुरू हुई बहस के बीच यह कार्यक्रम राजनीतिक रूप से अहम हो गया है।

यात्रा से पहले, नसरीन ने कहा था कि कोलकाता लौटना ''उन्हें अपने ही देश'' में लौटने जैसा लगता है। उन्होंने कहा था, ''मुझे ऐसा लगता है जैसे मैं अपने ही देश लौट रही हूं। मेरे दिल में बंगाल कभी भी किसी सीमा या कंटीले तारों की बाड़ से बंटा नहीं रहा। बंगाल के पूर्वी हिस्से का दरवाजा मेरे लिए बंद है, इसलिए अभी के लिए, बंगाल का यही हिस्सा मेरा घर है।'' वह खुशी, लेकिन साथ ही 'दर्द' के साथ लौट रही हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें याद आया कि कोलकाता ने उन्हें घर, दोस्त, पाठक और अपनापन दिया था, लेकिन बाद में उन्हें वहां से जाने के लिए मजबूर कर दिया गया।

इस यात्रा को सिर्फ निजी तौर पर घर वापसी से कहीं अधिक बताते हुए नसरीन ने कहा कि यह उस आवाज की वापसी का प्रतीक है जिसे धार्मिक कट्टरपंथियों ने कभी दबाने की कोशिश की थी। अपने उपन्यास 'लज्जा' को लेकर मिली जान से मारे जाने की धमकियों के कारण 1994 में बांग्लादेश से भागने के बाद, नसरीन 2004 में कोलकाता में बस गईं और बांग्ला भाषी इस शहर को निर्वासन के दौरान अपनी सांस्कृतिक शरणस्थली के रूप में अपनाया।

पूर्व सेना प्रमुख जनरल विश्वनाथ शर्मा का 96 साल की उम्र में निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व सेना प्रमुख (सेवानिवृत्त) जनरल विश्वनाथ शर्मा का शुक्रवार को 96 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। भारतीय सेना ने यह जानकारी दी। जनरल शर्मा 30 जून 1988 से 30 जून 1990 तक सेना प्रमुख के पद पर रहे थे। उन्होंने 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान लाहौर सेक्टर में मेजर के रूप में युद्ध में हिस्सा लिया था।

पूर्व सेना प्रमुख ने बख्तरबंद रेजिमेंट की कमान संभाली और सेना में कई महत्वपूर्ण स्टाफ तथा प्रशिक्षण संबंधी जिम्मेदारियां निभाईं। जनरल शर्मा को 1965 के युद्ध के बाद ब्रिगेडियर के पद पर पदोन्नत किया गया। सेना की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, जनरल शर्मा ने उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र में एक माउंटेन ब्रिगेड की कमान संभाली और उन्हें उत्कृष्ट सेवा के लिए 1977 में अति विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया। उन्होंने बाद में राजस्थान के रेगिस्तानी क्षेत्र में एक बख्तरबंद ब्रिगेड की कमान संभाली।

वर्ष 1980 में जनरल शर्मा को मेजर जनरल के पद पर पदोन्नत किया गया और उन्होंने पश्चिमी क्षेत्र में एक माउंटेन डिवीजन की कमान संभाली। वर्ष 1984 में वह लेफ्टिनेंट जनरल बने और पश्चिमी क्षेत्र में एक कोर की कमान संभाली। उत्कृष्ट सेवा के लिए उन्हें परम विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया। सेना अध्यक्ष जनरल धीरज सेठ के नेतृत्व में भारतीय सेना ने अनुभवी सैन्य अधिकारी के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। सेना ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, सेना अध्यक्ष जनरल धीरज सेठ और भारतीय सेना के सभी रैंक के जवान परम विशिष्ट सेवा पदक, अति विशिष्ट सेवा पदक, एडीसी और पूर्व सेना प्रमुख जनरल विश्वनाथ शर्मा के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हैं। भारतीय सेना उनके शोक संतप्त परिवार और प्रियजनों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त करती है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी पूर्व सेना प्रमुख के निधन पर शोक जताया और कहा, एक उत्कृष्ट सैनिक के रूप में जनरल शर्मा ने अटूट समर्पण, साहस और सम्मान के साथ देश की सेवा की। उनका जन्म चार जून 1930 को हुआ था।

विहिप और संत समाज ने संसद परिसर में भगवा वेश में विपक्ष के प्रदर्शन की निंदा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने अयोध्या में राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी को उजागर करने के लिए संसद परिसर में भगवा कपड़े पहनकर निर्दलीय सांसद पप्पू यादव और विपक्ष के अन्य सांसदों द्वारा किए गए 'एक नाटक' की शुक्रवार को निंदा की एवं कहा कि इस प्रदर्शन से हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं का अपमान हुआ है। राममंदिर और अयोध्या की धार्मिक संस्थाओं से संबद्ध कई प्रमुख संतों एवं पदाधिकारियों ने भी इस विरोध-प्रदर्शन की आलोचना की तथा इसमें शामिल सांसदों के निष्कासन की मांग की। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से प्रदर्शन में शामिल सांसदों की सदस्यता रद्द करने की अपील की। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी के पूर्व प्रमुख राहुल गांधी चढ़ावा चोरी के विरोध में हुए प्रदर्शन में शामिल थे।

संसद के मकर द्वार के सामने विरोध प्रदर्शन करते हुए सांसदों ने 'चढ़ावा चोर, गद्दी छोड़' के नारे लगाए। सांसदों ने मकर द्वार की सीढ़ियों के सामने दान-पात्र रखे और निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उन बक्सों के पास बैठ गए। राजेश रंजन पप्पू यादव के नाम से भी जाने जाते हैं। एक नाटक के तौर पर, राहुल गांधी समेत सांसदों ने बक्सों में पैसे डाले, जबकि गेरुआ कपड़े पहने यादव ने राम मंदिर में कथित चोरी को दिखाने के लिए पैसे अपनी जेब में डाल लिए। एक वीडियो बयान में, विहिप के अंतरराष्ट्रीय संयुक्त सचिव सुरेंद्र जैन ने आरोप लगाया कि कांग्रेस समर्थित यादव तथा गांधी और कांग्रेस के अन्य सांसदों एवं समाजवादी पार्टी के अन्य सांसदों ने हिंदू संतों के कपड़े पहनकर अभ्रद' विरोध प्रदर्शन किया। जैन ने कहा, विहिप उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने पर भी विचार कर रही है। हम लोकसभा अध्यक्ष से अनुरोध करते हैं कि वह उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करें ताकि कोई भी इस तरह हिंदू आस्था का अपमान करने की हिम्मत न करे।

उन्होंने आरोप लगाया, संत का वेश धारण करके उन्होंने न केवल संतों का अपमान किया है, बल्कि हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को भी ठेस पहुंचाई है। देश की जनता उन्हें माफ नहीं करेगी। रामायण से तुलना करते हुए जैन ने कहा, जिस प्रकार रावण ने सीता का अपहरण करने के लिए संत का वेश धारण किया था, क्या अब वे संत का वेश धारण करके हिंदू धर्म पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं? ऐसा कभी संभव नहीं होगा। उन्होंने विपक्षी नेताओं को मौलवी या पादरी का भेष धारण कर इन धर्मों का मजाक उड़ाने की चुनौती दी। उन्होंने आरोप लगाया कि वे केवल हिंदू मान्यताओं को निशाना बना सकते हैं। अखिल भारतीय संत समिति के राष्ट्रीय महासचिव जितेंद्रानंद सरस्वती ने एक वीडियो बयान में कहा,कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, अन्य कांग्रेस सांसदों और पप्पू यादव द्वारा भगवा वस्त्र पहनकर सनातन धर्म का अपमान करने के लिए संसद परिसर का गलत इस्तेमाल करना अस्वीकार्य है।

सुविचार

कर्म ही पूजा है। अपने कार्य को पूरी निष्ठा से करें, परिणाम की चिंता कम करें। सच्ची लगन रखें, सफलता निश्चित है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

'वंदे मातरम्' का विरोध क्यों?

संसद ने 'राष्ट्र गौरव अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक, 2026' को पारित कर उन असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों को नमन किया है, जो 'वंदे मातरम्' का उद्घोष कर भारत मां के लिए बलिदान हुए थे। इस गीत में अद्भुत ऊर्जा है। जो व्यक्ति इसे गाता है, उसके तन और मन में देशभक्ति की लहर पैदा हो जाती है। अंग्रेजी हुकूमत के ज़माने में जब अत्याचारी पुलिस अधिकारी हमारे महान स्वतंत्रता सेनानियों पर लाठियां और कोड़े बरसाते थे, तब उन्हें हर वार के जवाब में 'वंदे मातरम्' सुनने को मिलता था। अत्याचारी मार-मार कर थक जाते थे, लेकिन स्वतंत्रता सेनानियों का जोश कम होने का नाम नहीं लेता था। दुर्भाग्य की बात है कि आज जब 'वंदे मातरम्' को कानूनी संरक्षण दिया जा रहा है तो विपक्ष के कुछ राजनेताओं को यह कदम संविधान और धर्मनिरपेक्षता के खिलाफ लग रहा है! 'वंदे मातरम्' सुनकर अंग्रेज चिढ़ते थे। उनके रहमो-करम पर पलने वाले सरकारी अधिकारी भड़कते थे। अब तो भारत आज़ाद है। अगर यहां 'वंदे मातरम्' नहीं गाया जाएगा तो कहां गाया जाएगा? जो नेतागण इसका विरोध कर अपनी सियासी रोटियां सेक रहे हैं, वे एक बार इसका सही अनुवाद पढ़ें। इसमें भारत भूमि की सुंदरता और विविधता का वर्णन है। इसके शब्दों में देश की दिव्य शक्तियों का बखान है। भले ही कोई व्यक्ति इसका अर्थ न जानता हो, अगर वह शुद्ध भाव के साथ इसे गाता है तो दिव्यता को महसूस करता है। इस पर आपत्ति जताने के लिए कोई वजह होनी ही नहीं चाहिए। जिस गीत ने स्वतंत्रता की चेतना जगाई, देशवासियों को अंग्रेजों से लड़ने के लिए शक्ति दी, उसका सम्मान करना गर्व का विषय होना चाहिए। 'वंदे मातरम्' का सम्मान उन बलिदानियों का भी सम्मान है।

कुछ लोगों ने इसके खिलाफ सोशल मीडिया पर तूफान खड़ा कर रखा है। वे अजीब तर्क दे रहे हैं। जैसे- ''वंदे मातरम्' गाने से क्या हो जाएगा? क्या इससे रोटी मिल जाएगी?' इनसे कोई पूछे- 'क्या 'वंदे मातरम्' न गाने से सबकुछ हो जाएगा? क्या इसे नहीं गाएंगे तो छप्पन तरह के पकवान मिल जाएंगे?' मनुष्य को पेट भरने के अलावा भी कुछ सोचना चाहिए। हर काम दाल-रोटी के लिए नहीं होता है। राष्ट्र का गौरव भी होता है, जिसे याद करना चाहिए। बलिदान का इतिहास भी होता है, जिसे भूलना नहीं चाहिए। जो लोग आज 'वंदे मातरम्' न गाने के लिए तरह-तरह के बहाने बना रहे हैं, उनसे पूछना चाहिए- अगर डेढ़ सौ साल पहले सभी लोगों की यह सोच होती कि आज़ादी की लड़ाई से क्या हो जाएगा, क्या इससे रोटी मिल जाएगी, क्या इससे सरकारी नौकरी मिल जाएगी, क्या इससे मुफ्त इलाज मिल जाएगा, क्या इससे दैनिक जरूरतें पूरी हो जाएंगी, क्या इससे चीजें सस्ती हो जाएंगी ... तो इस देश का क्या होता? हमारा क्या होता? अंग्रेजी राज में 'वंदे मातरम्' गाने का मतलब था- जेल, पिटाई और फांसी! फिर भी हमारे पूर्वजों ने ज़िद नहीं छोड़ी थी। वे जेल गए, पिटाई बर्दाश्त की, फंदों पर लटके, लेकिन यह उद्घोष कभी शांत नहीं हुआ था। स्वतंत्रता सेनानियों का सपना था कि वे आज़ाद हिन्दुस्तान में 'वंदे मातरम्' गाएं। कई तो मन में यह आस लेकर ही बलिदान हो गए थे। आज उसी देश में कुछ लोग 'वंदे मातरम्' के खिलाफ बातें कर रहे हैं! अगर हम अपने राष्ट्रगीत का सम्मान नहीं करेंगे तो नई पीढ़ी पर उसका कैसा असर होगा? क्या वह देश का इतिहास नहीं भूल जाएगी? क्या वह त्यागी और बलिदानी योद्धाओं का सम्मान करना सीखेगी? उसे तो यही लगेगा कि अंग्रेज भ्रमण करते-करते भारत आए और एक दिन चाय-नाश्ता कर ब्रिटेन लौट गए थे। क्या हम यह सीख देना चाहेंगे? देश को बहुत बड़ी कीमत चुकाने के बाद आज़ादी मिली थी। हमें इसके प्रतीकों का सम्मान करना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

22वीं कॉमनवेल्थ टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2026 में गोल्ड मेडल जीतने के लिए भारतीय पुरुष और महिला टीमों को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं!ङ्गदोनों टीमों ने अपने शानदार प्रदर्शन, अनुशासन और ज़बरदस्त टीम भावना से पूरे देश को गर्व से भर दिया है।

-भजनलाल शर्मा

मातृभूमि के लिए अपना सर्वस्व समर्पित करने वाले महान स्वतंत्रता सेनानी सरदार उधम सिंह के शहीदी दिवस पर विनम्र श्रद्धांजलि। देश की आज़ादी के लिए उन्होंने जो वीरता, बहादुरी और बहादुरी दिखाई, वह सदियों तक भारत माता की सेवा में मिसाल बनी रहेगी।

-योगी आदित्यनाथ

राज्य में विकास के कामों का जारी रहना और उन्हें समय पर पूरा करना हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। इसी संकल्प के साथ, पश्चिम एशिया संकट से प्रभावित सड़क प्रोजेक्ट्स को बड़ी राहत देते हुए, बिना लिक्विडेटेड डैमेज के प्रोजेक्ट का समय 4 महीने करने का एक अहम फैसला लिया गया है।

-दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

अनुराग का विरल उदाहरण

दिल्ली प्रदेश 'हिन्दी साहित्य सम्मेलन' अतीत में विशेष अवसरों पर साहित्य से जुड़े समारोह आयोजित करवाता था। एक बार 31 जुलाई को प्रेमचंद-जयंती आने वाली थी। गोपाल कृष्ण कौल दिल्ली प्रदेश हिन्दी साहित्य सम्मेलन के साहित्य मंत्री थे और उसकी रंगमंच परिषद के भी मंत्री थे। गोपालप्रसाद व्यास सम्मेलन के प्रधानमंत्री थे। तय किया गया कि प्रेमचंद जयंती पर प्रेमचंद की कहानी 'पंचपरमेश्वर' का नाट्य रूपांतर करके मंच पर प्रस्तुत किया जाए। नाट्य रूपांतर कौल साहब ने किया और उसके प्रस्तुतीकरण का जिम्मा भी उन्हीं पर था। उस नाट्य रूपांतर पर भूमिका लिखने और सप्रू हाउस में उसकी प्रस्तुति का उद्घाटन करने के लिए राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद से प्रार्थना की गई। उन्होंने इसकी सहर्ष स्वीकृति देने की कृपा की, भूमिका लिखी और प्रेमचंद-जयंती के दिन सप्रू हाउस के मंच पर उसका यथोचित उद्घाटन भी किया। उन्होंने उस नाट्य रूपांतर को मुक्त कंठ से सराहा और 'पंचपरमेश्वर' में वर्णित हिन्दू-मुस्लिम भाईचारे और ग्रामीण पंचायती न्याय के महत्त्व पर विशद एवं विशेष प्रकाश डाला।

सामयिक

आंदोलन की संस्कृति : अधिकार नहीं, उत्तरदायित्व भी आवश्यक

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

भारत का लोकतंत्र केवल चुनावों की व्यवस्था नहीं है, बल्कि संवाद, असहमति और संवैधानिक मर्यादाओं का जीवंत तंत्र है। इस व्यवस्था में प्रत्येक नागरिक को अपनी मांगों और विचारों को शांतिपूर्ण ढंग से रखने का अधिकार प्राप्त है। संविधान ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार दिया है, लेकिन यह अधिकार कभी भी हिंसा, अराजकता, सार्वजनिक संपत्ति के विनाश या सुरक्षा बलों पर हमले का लाइसेंस नहीं बन सकता। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति यही है कि वह विरोध को भी सम्मान देता है, किंतु विरोध की भी अपनी सीमाएं और जिम्मेदारियां होती हैं। हाल के वर्षों में कुछ आंदोलनों ने यह गंभीर प्रश्न खड़ा किया है कि क्या लोकतांत्रिक अधिकारों की आड़ में कानून और व्यवस्था को चुनौती देना स्वीकार्य हो सकता है? यदि कोई प्रदर्शन बैरिकेड तोड़ने, पुलिस पर हमला करने, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने अथवा संसद जैसे सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्थान की ओर जबरन बढ़ने का प्रयास करे, तो सरकार और सुरक्षा एजेंसियों से यह अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वे केवल मूकदर्शक बनी रहें। राज्य का पहला दायित्व नागरिकों की सुरक्षा और संवैधानिक संस्थाओं की रक्षा करना है।

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पैलेट गन के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने से इनकार करते हुए यह कहना कि असाधारण परिस्थितियों में इसका प्रयोग किया जा सकता है, इसी संतुलित दृष्टिकोण का परिचायक है। न्यायालय ने किसी भी प्रकार के असीमित बल प्रयोग को उचित नहीं ठहराया, बल्कि यह स्पष्ट संकेत दिया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए राज्य के पास आवश्यक साधन भी होने चाहिए। यदि सुरक्षा बलों से हर प्रभावी उपाय छीन लिया जाएगा, तो हिंसक भीड़ पर नियंत्रण कैसे स्थापित होगा? यह प्रश्न केवल सरकार का नहीं, बल्कि पूरे समाज का है। इसका अर्थ यह नहीं कि पुलिस या सुरक्षा एजेंसियों को असीमित अधिकार मिल जाने चाहिए। लोकतंत्र में प्रत्येक कार्रवाई न्यायिक समीक्षा और जवाबदेही के दायरे में रहती है। यदि कहीं बल प्रयोग आवश्यकता से अधिक हुआ हो, तो उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई भी होनी चाहिए। लेकिन जांच का आधार तथ्य होने चाहिए, पूर्वाग्रह नहीं। जिस प्रकार प्रदर्शनकारियों की पीड़ा सुनी जानी चाहिए, उसी प्रकार घायल हुए पुलिसकर्मियों और सुरक्षा बलों का पक्ष भी उतनी ही गंभीरता से सुना जाना चाहिए।

आज आवश्यकता इस बात की है कि आंदोलन की संस्कृति पर पुनर्विचार किया जाए। स्वतंत्रता आंदोलन के समय महात्मा गांधी ने सत्याग्रह की ऐसी परंपरा विकसित की थी, जिसमें नैतिक बल सबसे बड़ा हथियार था। सत्याग्रह में विरोध था, परंतु वैमनस्य नहीं। संघर्ष था, परंतु हिंसा नहीं। दृढ़ता थी, परंतु अराजकता नहीं। दुर्भाग्य से आज कुछ आंदोलनों में संवाद की जगह टकराव, संयम की जगह उग्रता और तर्क की जगह भीड़ की शक्ति को महत्व दिया जाने लगा है। यह लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। युवा पीढ़ी को यह समझना होगा कि लोकतंत्र में परिवर्तन सड़क पर पत्थर फेंकने से नहीं, बल्कि विचार, संगठन, जनजागरण और संवैधानिक प्रक्रियाओं से आता है। यदि हर असहमति हिंसक रूप ले लेगी, तो सबसे अधिक नुकसान उन्हीं युवाओं का होगा, जिनके भविष्य के नाम पर आंदोलन किए जाते हैं। लोकतंत्र की रक्षा भावनाओं से नहीं, बल्कि अनुशासन और उत्तरदायित्व से होती है।

भविष्य के लिए कुछ स्पष्ट सिद्धांत निर्धारित किए जाने चाहिए। प्रत्येक बड़े आंदोलन के लिए पूर्व अनुमति, निर्धारित मार्ग, आयोजकों की स्पष्ट जवाबदेही, सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा, हिंसा की स्थिति में त्वरित पहचान और दोषियों के विरुद्ध निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित हो। साथ ही पुलिस को भी भीड़ नियंत्रण के आधुनिक, वैज्ञानिक और न्यूनतम आवश्यक बल के सिद्धांतों पर निरंतर प्रशिक्षित किया जाए। इससे नागरिक अधिकारों और कानून-व्यवस्था के बीच बेहतर संतुलन स्थापित होगा।

यदि यह मान लिया जाए कि किसी राजनीतिक दल या उसके समर्थकों द्वारा आयोजित आंदोलन में कुछ असामाजिक और हिंसक तत्वों ने प्रवेश कर उसे अराजक दिशा देने का प्रयास किया, तो ऐसी स्थिति में सरकार का प्राथमिक दायित्व कानून-व्यवस्था, संवैधानिक संस्थाओं और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना होता है। समय रहते प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई, भले ही उससे कुछ अप्रिय घटनाएं हुई हों, व्यापक अराजकता और राष्ट्रीय संस्थानों को संभावित क्षति से बचाने के उद्देश्य से देखी जा सकती है। साथ ही, लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह भी अपेक्षित है कि विपक्ष जनभावनाओं का प्रतिनिधित्व करते हुए हिंसा और तोड़फोड़ से स्पष्ट दूरी बनाए तथा वैध मांगों के समर्थन और अवैध कृत्यों के विरोध के बीच स्पष्ट रेखा खींचे। लोकतंत्र तभी सुदृढ़ होता है जब सरकार कानून के शासन का पालन करे, विपक्ष जिम्मेदार आचरण करे और आंदोलन संविधान की मर्यादाओं एवं शांतिपूर्ण तरीकों के भीतर संचालित हों।

राजनीतिक दलों की भूमिका भी इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। किसी भी दल का यह दायित्व है कि वह जनभावनाओं को सकारात्मक दिशा दे। यदि कोई राजनीतिक संगठन या उसके समर्थक आंदोलन के दौरान हिंसा, तोड़फोड़ या कानून हाथ में लेने को प्रोत्साहित करते हैं, तो उसकी लोकतांत्रिक विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है। विपक्ष लोकतंत्र का अनिवार्य अंग है, लेकिन उसका धर्म केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक विकल्प प्रस्तुत करना भी है। यदि किसी भी पक्ष द्वारा जनआंदोलनों का उपयोग केवल राजनीतिक लाभ के लिए किया जाता है, तो अंततः लोकतंत्र ही कमजोर होता है। सरकारों को भी यह आत्ममंथन करना चाहिए कि जनआक्रोश की स्थितियां क्यों बनती हैं। संवाद के द्वार हमेशा खुले रहने चाहिए। पारदर्शी निर्णय, समय पर संवाद और शिकायतों के समाधान की प्रभावी व्यवस्था अनेक आंदोलनों को उग्र होने से पहले ही शांत कर सकती है। लोकतंत्र में शासन का अर्थ केवल कानून लागू करना नहीं, बल्कि विश्वास अर्जित करना भी है।

भविष्य के लिए कुछ स्पष्ट सिद्धांत निर्धारित किए जाने चाहिए। प्रत्येक बड़े आंदोलन के लिए पूर्व अनुमति, निर्धारित मार्ग, आयोजकों की स्पष्ट जवाबदेही, सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा, हिंसा की स्थिति में त्वरित पहचान और दोषियों के विरुद्ध निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित हो। साथ ही पुलिस को भी भीड़ नियंत्रण के आधुनिक, वैज्ञानिक और न्यूनतम आवश्यक बल के सिद्धांतों पर निरंतर प्रशिक्षित किया जाए। इससे नागरिक अधिकारों और कानून-व्यवस्था के बीच बेहतर संतुलन स्थापित होगा। लोकतंत्र का सौंदर्य इस बात में नहीं कि कितनी जोर से नारे लगाए गए, बल्कि इस बात में है कि कितनी गंभीरता से संवाद हुआ। संसद जनता की आकांक्षाओं का मंदिर है। यदि कोई समूह अपनी बात संसद तक पहुंचाना चाहता है, तो उसका स्वागत होना चाहिए, लेकिन संसद पर दबाव बनाने या उसे घेरने की संस्कृति लोकतांत्रिक परंपराओं को कमजोर करती है। लोकतंत्र में जनमत सर्वोपरि है, भीड़तंत्र नहीं।

आज भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के साथ-साथ विश्वगुरु बनने की दिशा में भी अग्रसर है। ऐसे समय में हमें विरोध की भी ऐसी संस्कृति विकसित करनी होगी जो विश्व के सामने अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करे। हमारे आंदोलन व्यवस्था को तोड़ने के नहीं, व्यवस्था को बेहतर बनाने के माध्यम बनें। हमारे प्रदर्शन राष्ट्र को विभाजित करने के नहीं, लोकतांत्रिक चेतना को समृद्ध करने के साधन बनें। अंततः यह स्मरण रखना होगा कि अधिकार और कर्तव्य एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। अधिकारों की रक्षा तभी संभव है जब कर्तव्यों का भी समान रूप से पालन किया जाए। यदि आंदोलन संविधान की मर्यादाओं में रहकर होंगे, तो सरकार भी अधिक उत्तरदायी बनेगी और लोकतंत्र भी अधिक सशक्त होगा। भारत को ऐसे आंदोलनों की आवश्यकता है जो व्यवस्था को चुनौती देने के बजाय उसे सुधारने की प्रेरणा दें। जो युवाओं को उग्रता नहीं, उत्तरदायित्व सिखाएं और जो राष्ट्रहित को दलगत हितों से ऊपर रखकर लोकतंत्र को और अधिक परिपक्व, अनुशासित तथा जनोन्मुख बनाने का मार्ग प्रशस्त करें।

नजरिया

सामाजिक सद्भाव की परीक्षा और नेपाल सरकार की विफलता

अशोक भाटिया

मोबाइल : 9221232130

नेपाल, जिसे दुनिया बुद्ध की शांति-भूमि और बहुसांस्कृतिक सह-अस्तित्व के एक अनुपम उदाहरण के रूप में जानती है, आज एक गंभीर सामाजिक और प्रशासनिक संकट के मुहाने पर खड़ा है। भारत के बिहार राज्य की सीमा से सटे सुनसरी जिले के कप्तानगंज से शुरू हुई चिंगारी ने देखते ही देखते मधेश और कोशी प्रांत के एक बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया है। सावन के पवित्र महीने में पारंपरिक बोलबम/कांवड़ यात्रा के दौरान लाउडस्पीकर बजाने और धार्मिक झंडों के प्रदर्शन को लेकर उपजा एक मामूली सा विवाद आज एक भयावह सांप्रदायिक हिंसा का रूप अख्तियार कर चुका है। इस हिंसा में अब तक तीन बेगुनाह नागरिकों-ओम प्रकाश मेहता, जय प्रकाश मेहता और गणेश यादव-की जान जा चुकी है, जबकि दर्जनों सुरक्षाकर्मी और आम नागरिक गंभीर रूप से घायल हैं। कई जिलों में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू, इंटरनेट सेवाओं पर आंशिक पाबंदी और सड़कों पर गश्त करती सेना इस बात का स्पष्ट संकेत हैं कि नेपाल का सामाजिक ताना-बाना इस समय अपने सबसे कठिन दौर से गुजर रहा है।

यह विवाद 26 जुलाई 2026 की रात सुनसरी जिले की देवानगंज ग्रामीण नगरपालिका के कप्तानगंज इलाके में तब शुरू हुआ, जब दो अलग-अलग समुदाय अपने धार्मिक आयोजन कर रहे थे। एक पक्ष की धार्मिक यात्रा के दौरान लाउडस्पीकर की आवाज और प्रतीकों के प्रदर्शन को लेकर दोनों गुटों में तीखी बहस हुई, जो जल्द ही हिंसक झड़प में बदल गई। स्थानीय प्रशासन और खुफिया तंत्र की घोर लापरवाही के कारण इस शुरुआती विवाद को समय रहते शांत नहीं किया जा सका। स्थिति तब और अनियंत्रित हो गई जब उग्र भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को बल प्रयोग और गोलीबारी का सहारा लेना पड़ा, जिसमें एक स्थानीय युवक की मौत हो गई। इस मौत की खबर आग की तरह फैली और इसने सुलगते असंतोष को पूरे क्षेत्र में भड़का दिया। इसके बाद हिंसा का यह दौर सुनसरी से निकलकर सिराहा, धनुषा, पर्सा और जनकपुरधाम जैसे प्रमुख व्यावसायिक और सांस्कृतिक केंद्रों तक पहुंच गया। कई स्थानों पर आगजनी, तोड़फोड़ और पत्थरबाजी की घटनाएं सामने आईं, जिससे आम जनजीवन पूरी तरह ठप हो गया है।

दरअसल यह हिंसा केवल दो समुदायों की आपसी कट्टरता का परिणाम नहीं है, बल्कि यह नेपाल के प्रशासनिक और सुरक्षा तंत्र की एक बहुत बड़ी विफलता है। सुरक्षा मामलों के जानकारों और पूर्व अधिकारियों का भी मानना है कि सुनसरी की घटना से काफी पहले ही तराई के इलाकों में सांप्रदायिक तनाव के स्पष्ट संकेत मिल रहे थे। लेकिन स्थानीय प्रशासन, नेपाल पुलिस और केंद्रीय खुफिया एजेंसियों ने इन चेतावनियों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। जब कोई संवेदनशील धार्मिक त्योहार या यात्रा आयोजित होती है, तो प्रशासन का यह प्राथमिक कर्तव्य होता है कि वह पहले से ही दोनों पक्षों के प्रबुद्ध नागरिकों के साथ बैठकें करे, रूट तय करे और लाउडस्पीकर जैसे संवेदनशील मुद्दों पर कड़े नियम लागू करे। कप्तानगंज में ऐसा कोई पूर्व-नियोजित प्रयास दिखाई नहीं दिया। इसके अलावा, जब हिंसा भड़की, तो केंद्र सरकार की ओर से त्वरित राजनीतिक और प्रशासनिक हस्तक्षेप बेहद देरी से हुआ। पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहाल 'प्रचंड' सहित कई सांसदों ने संसद में सरकार को आड़े हाथों लेते हुए सवाल उठाया है कि जब मधेश जल रहा था, तब देश के शीर्ष नेतृत्व ने सर्वदलीय बैठक और शांति बहाली के प्रयासों में इतनी देरी क्यों की।

तराई-मधेश क्षेत्र में भड़की इस हिंसा का प्रभाव केवल नेपाल की आंतरिक सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि इसने भारत-नेपाल की खुली सीमा की संवेदनशीलता और दोनों देशों के बीच चलने वाले द्विपक्षीय व्यापारिक गलियारे के सामने भी गंभीर चुनौतियाँ खड़ी कर दी हैं। सुनसरी, पर्सा और सिराहा जैसे अशांत जिले भारत के बिहार राज्य के सीमावर्ती इलाकों से सीधे जुड़े हुए हैं। इस भू-राजनीतिक जुड़ाव के कारण नेपाल में उपजा कोई भी सांप्रदायिक या सामाजिक तनाव बहुत तेजी से सीमा पार भारतीय क्षेत्रों को भी प्रभावित कर सकता है। सीमावर्ती क्षेत्रों में अचानक बढ़े इस तनाव को देखते हुए भारत के सशस्त्र सीमा बल और नेपाल सशस्त्र पुलिस बल को हाई अलर्ट पर रहना पड़ रहा है, जिससे दोनों देशों के बीच नागरिकों की सामान्य आवाजाही और आपसी सामाजिक रिश्ते प्रभावित हो रहे हैं।

इससे भी बड़ा संकट आर्थिक मोर्चे पर दिखाई दे रहा है। रक्सौल-वीरगंज, जोगबनी-विराटनगर और जयनगर-जनकपुर जैसे प्रमुख व्यापारिक मार्ग नेपाल की जीवनरेखा माने जाते हैं। नेपाल अपनी दैनिक आवश्यकताओं की वस्तुओं, ईंधन, दवाओं और औद्योगिक कच्चे माल के लिए 70 प्रतिशत से अधिक भारत से होने वाले आयात पर निर्भर है। मधेश में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू, सड़कों पर तोड़फोड़ और असुरक्षा के माहौल के कारण मालवाहक ट्रकों के पहिए थम गए हैं। सीमा पार माल की आवाजाही रुकने से नेपाल के बाजारों में आवश्यक वस्तुओं की किल्लत होने लगी है, जिससे महंगाई बेलगाम होने का खतरा पैदा हो गया है। लंबे समय तक चलने वाली ऐसी अशांति दोनों देशों के बीच प्रस्तावित और निर्माणाधीन रणनीतिक आर्थिक गलियारों, रेलवे कनेक्टिविटी परियोजनाओं और व्यापारिक बुनियादी ढांचों के विकास की गति को धीमा कर देती है। कोई भी बड़ा औद्योगिक घराना या विदेशी निवेशक ऐसे अशांत क्षेत्रों में पूंजी लगाने से कतराता है। यदि नेपाल सरकार ने इस हिंसा पर तुरंत काबू पाकर सीमावर्ती व्यापारिक मार्गों को पूरी तरह सुरक्षित और सुचारू नहीं किया, तो पहले से ही नाजुक दौर से गुजर रही नेपाल की अर्थव्यवस्था को ऐसा गहरा आर्थिक झटका लग सकता है, जिससे उबरने में देश को लंबा समय लगेगा।

साल 2008 में राजशाही की समाप्ति के बाद नेपाल को एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र घोषित किया गया था। सदियों से नेपाल में हिंदू, मुस्लिम, बौद्ध और किरात समुदाय के लोग आपसी भाईचारे और सांस्कृतिक तालमेल के साथ रहते आए हैं। विशेषकर भारत से सटे तराई-मधेश क्षेत्र की एक अनूठी पहचान रही है, जहां सीमा के दोनों ओर के सांस्कृतिक और पारिवारिक संबंध समाज को एक सूत्र में बांधकर रखते हैं। परंतु, पिछले कुछ समय से इस शांत सामाजिक धरातल के नीचे सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की एक खतरनाक राजनीति पनपती हुई दिख रही है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर नफरत फैलाने वाले भाषणों, अफवाहों और भड़काऊ वीडियोज ने इस आग में घी डालने का काम किया है। उपद्रवी तत्वों द्वारा इस संवेदनशील स्थिति का फायदा उठाकर व्यापारिक प्रतिष्ठानों को निशाना बनाना और समाज में डर का माहौल पैदा करना यह दर्शाता है कि इस हिंसा के पीछे कुछ निहित स्वार्थी तत्व सक्रिय हैं, जो नेपाल की राष्ट्रीय एकता और अखंडता को कमजोर करना चाहते हैं।

नेपाल इस समय एक चौराहे पर खड़ा है। कर्फ्यू और संगीनों के साये में कायम की गई शांति कभी भी स्थायी नहीं हो सकती। यदि तराई-मधेश में स्थायी शांति बहाल करनी है, तो बहुस्तरीय प्रयास करने होंगे:राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने बिल्कुल ठीक कहा है कि सद्भाव, सुलह और भाईचारे की भावना ही नेपाली समाज की अद्वितीय पहचान है। नेपाल जैसे बहुसांस्कृतिक और विकासशील देश के लिए आंतरिक स्थिरता ही आर्थिक और सामाजिक प्रगति की पहली शर्त है। सुनसरी की घटना एक कड़वी चेतावनी है कि यदि हमने अपनी साझी विरासत और आपसी विश्वास को सहेजकर नहीं रखा, तो नफरत की यह आग किसी का भी भला नहीं करेगी। अब समय आ गया है कि नेपाल का नागरिक समाज, सरकार और आम जनता एकजुट होकर इन विघटनकारी ताकतों को नाकाम करें। बंदूक की गोलियों और कर्फ्यू के साये से बाहर निकलकर, संवाद और सहिष्णुता के रास्ते पर चलकर ही नेपाल फिर से शांति के पथ पर अग्रसर हो सकता है। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि भविष्य में कप्तानगंज जैसी पुनरावृत्ति देश के किसी भी कोने में न हो।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तालिबान के दोबारा सत्ता में आने के बाद महिलाओं की जिंदगी बयां करती है 'सिटी आफ विडोज़'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिकी सेनाएं फरवरी 2020 में अफ़गानिस्तान को उसके नए शासक तालिबान के हवाले करके लौट रही थीं लेकिन तालिबान के दोबारा सत्ता में आने के बाद देश की उन आजाद ख्याल महिलाओं पर क्या बीती जो पिछले 20 सालों में देश में नेतृत्वकारी भूमिकाएं संभाल रही थीं। प्रसिद्ध लेखिका नादिया हाशमी का नवीनतम उपन्यास 'सिटी आफ विडोज़' ऐसी ही अफगानी महिलाओं की जिंदगी पर केंद्रित है जिनकी दुनिया तालिबान के पुन: सत्ता पर कब्जा करने के बाद रातोंरात बदल गई थी। प्रकाशक हार्पर कॉलिन्स द्वारा यहां जारी एक बयान के अनुसार, यह उपन्यास एक दिलचस्प और डरावनी लेकिन आखिर में उम्मीद जगाने वाली कहानी बयां करता है। यह कहानी तालिबान के दोबारा सत्ता में आने के बाद के सालों में अफ़गानिस्तान की महिलाओं की ज़िंदगी पर आधारित है। फरवरी 2020 में, लगभग बीस साल के कब्ज़े के बाद अमेरिका ने अफ़गानिस्तान से अपनी सेनाएं वापस बुलानी शुरू कर दी थीं। इन बीस सालों में अफ़गानी महिलाओं की एक ऐसी पूरी पीढ़ी बड़ी हुई थी जो आजाद ख्याल थी और ज़िंदगी के हर मोर्चे पर अगुवाई कर रही थी। किताब की प्रस्तावना में कहा गया है कि ये महिलाएं जो काफी हद तक शांति के माहौल में पली-बढ़ीं थीं, स्कूल गई थीं, नौकरी-पेशा थीं और यहां तक कि उन्होंने सेना और संसद में भी काम किया था। अफ़गानिस्तान की इन्हीं महिलाओं ने देखा कि तालिबान फिर से सड़कों पर कब्ज़ा कर रहा है। उन्हें पता था कि सब कुछ बदलने वाला है। किताब की कथा वस्तु कुछ इस प्रकार है कि काबुल जैसे हलचल भरे और आधुनिक शहर में महिलाएं टीवी न्यूज़कास्टर, दुकान की मालकिन, डॉक्टर, शिक्षक, वकील और यहां तक कि सैनिक भी हैं। इनमें मरजान भी शामिल है, जिसने अफ़गानी सेना के साथ लड़ाई लड़ी थी और अब वह अपनी बेटी हवा को सुरक्षित रखने के लिए कुछ भी करने को तैयार है।

किताब के अनुसार, पहले मरजान का नाम रहीमा था और वह 'बाचा पोश' की तरह रहती थी-यानी एक ऐसी लड़की जिसे बड़ी होने तक लड़के की तरह पाला-पोसा गया। रहीमा ने अपने पूर्व सैनिक पति के चंगुल से छूटने के बाद मरजान नाम अपना लिया। उसने अपने लिए एक नई ज़िंदगी बनाई थी जिसे वह आसानी से नहीं छोड़ना चाहती थी। तालिबान के राज में भी नहीं। इसी प्रकार, होंठों पर लाल लिपस्टिक लगाकर सेना की सिर्फ़ महिलाओं वाली कॉम्बैट फ़ोर्स की अगुवाई करने वाली सोराया अब एक 'वॉन्टेड' महिला है। उसका भाई उसे तालिबान से बचाने के लिए पनाह देने को राजी नहीं है। उसका क्या होगा? या मीना, एक पत्रकार और ब्रॉडकास्टर, जिसका खूबसूरत चेहरा काबुल में हर कोई जानता है-यहां तक कि नई सरकार के लोग भी? अपनी काबिलियत के दम पर खड़ी हुईं इन अफगानी महिलाओं के सामने अब तालिबान के राज में क्या विकल्प है? लड़ें या भाग जाएं? या कोई तीसरा रास्ता ढूंढें? एक बात तो पक्की है: इनमें से कोई भी महिला चुपचाप अपनी किस्मत को स्वीकार नहीं करेगी। हार्पर कॉलिन्स द्वारा प्रकाशित 'सिटी आफ विडोज़' इसी डर, विरोध, बदलाव और नई शुरुआत की एक कहानी है जो इतिहास के एक अहम मोड़ पर खड़ी उन अविस्मरणीय अफ़गानी महिलाओं की आवाज़ बनती है। 'दी पर्ल दैट ब्रोक इट्स शैल' बेस्टसेलर समेत चार किताबों की लेखिका नादिया हाशमी अप्रवासी अफगानी माता पिता की संतान हैं। पेशे से बाल रोग चिकित्सक नादिया इस समय अमेरिका में रहती हैं।

विरोध

आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा जिला कलेक्टर कार्यालय के बाहर शुक्रवार को अपनी सेवाओं के नियमितीकरण, वेतन वृद्धि और रात्रि ड्यूटी समाप्त करने जैसी मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन करतीं आंगनवाड़ी, आशा और मिड-डे मील कार्यकर्ता।

अस्मिता, हर्ष और यामिनी ने जूडो में फाइनल में पहुंच कर पदक पक्के किये

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ग्लास्गो/भाषा। भारतीय जूडो खिलाड़ियों ने शुक्रवार को यहां जारी राष्ट्रमंडल खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए देश के लिए कम से कम तीन रजत पदक सुनिश्चित कर दिए। अस्मिता डे, हर्ष सिंह और यामिनी मौर्य ने अपने-अपने वर्ग के फाइनल में जगह बनाकर ये पदक पक्के किये। महिला 48 किग्रा वर्ग में युवा खिलाड़ी अस्मिता डे ने बेहद रोमांचक मुकाबले में स्कॉटलैंड की समर शॉ को युको' के आधार पर हराकर फाइनल में प्रवेश किया। एक समय हार की कगार पर पहुंच चुकीं अस्मिता ने शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की। स्वर्ण पदक के मुकाबले में उनका सामना कनाडा की हेइडी क्राच से होगा।

इससे पहले अस्मिता ने स्कॉटलैंड की ईवा इविंग को 'इप्पोन' से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई थी। जूडो में 'इप्पोन' को सर्वोच्च स्कोर माना जाता है जिसके मिलते ही मुकाबला समाप्त हो जाता है। युको' अपेक्षाकृत कम अंक वाला स्कोर है।

पुरुष 60 किग्रा वर्ग में हर्ष सिंह ने ऑस्ट्रेलिया के पेड्रो कार्लोस एंटुन नेटो को वाजा-आरी' के आधार पर हराकर फाइनल में प्रवेश किया। इससे पहले हर्ष ने क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने के सफर में मलावी के चिकोंडी काथेवेरा को इप्पोन' से मात दी और फिर वानुआतु के एलन मोंथुएल को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

फाइनल में हर्ष का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया के जोशुआ काट्ज से होगा। जूडो में वाजा-आरी' दूसरा सबसे बड़ा स्कोर होता है, जो खिलाड़ी को मुकाबले में महत्वपूर्ण बढ़त दिलाता है। महिला वर्ग में यामिनी मौर्य ने भी दमदार प्रदर्शन करते हुए दक्षिण अफ्रीका की डोने ब्रेटेनबाख को इप्पोन' से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। फाइनल में उनका सामना इंग्लैंड की असेल्या टोपराक से होगा।

इससे पहले यामिनी ने घाना की फ्रेमा अग्येई को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया था। महिला 52 किग्रा वर्ग में श्रद्धा कदुबाल चोपड़े पदक की दौड़ से बाहर हो गईं। रेपेचेज मुकाबले में उन्हें वेल्स की लोला हॉडसन ने युको से हराया।

श्रद्धा ने इससे पहले सिएरा लियोन की जेन मासाक्रॉई को इप्पोन से पराजित किया था, लेकिन ऑस्ट्रेलिया की टिंका ईस्टन के खिलाफ उन्हें हार मिली। पुरुष 66 किग्रा वर्ग में रोहित बसीर मजगुल का सफर भी रेपेचेज में समाप्त हो गया। उन्हें इंग्लैंड के माइकल फ्रायर ने युको' के आधार पर हराया। इससे पहले रोहित ने मोजाम्बिक के सैमुअल रिबेरो को मात दी थी, लेकिन क्वार्टर फाइनल में साइप्रस के पेट्रोस क्रिस्टोडुलिडेस से हार गए थे।

स्पेन के सेउटा में 60000 लोग हुए दाखिल

सेउटा/एपी। पिछले 24 घंटों में मोरक्को से लगभग 60,000 प्रवासी स्पेन के सेउटा में दाखिल हुए हैं। सेउटा के प्रशासनिक प्रमुख ने यह जानकारी दी। यह संख्या सेउटा शहर की नियमित जनसंख्या के 70 फीसद के बराबर है। सेउटा के प्रशासनिक प्रमुख जुआन जीसस विवास के अनुसार प्रवासन की इस प्रक्रिया में कम से कम 34 लोगों की मौत हो गयी। उन्होंने शुक्रवार को कहा, ''सेउटा जिस स्थिति से गुज़र रहा है, वह बिल्कुल भी टिकाऊ नहीं है।'' बृहस्पतिवार को सीमा पर भड़का संकट शुक्रवार को भी जारी रहा जहां सीमा के मोरक्को वाले क्षेत्र में सुरक्षाबलों एवं प्रवासियों के बीच हिंसक झड़पें हुईं।

स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज़ ने शुक्रवार को सेउटा में अपने संबोधन में सीमा उल्लंघन की निंदा की और इन घटनाओं को स्पेन की क्षेत्रीय अखंडता का 'उल्लंघन' बताया। स्पेन के नेता ने मानव तस्करों को दोषी ठहराते हुए कहा कि वे बहुत से युवाओं को बहकाते हैं और अंततः उनमें से कई को मौत के मुंह में धकेल देते हैं - ''चाहे वह समुद्र में हो या, जैसा कि इस मामले में हुआ, स्पेन की सीमा पर स्वायत्त शहर सेउटा में।'' सीमा के सीधे प्रसारण में नजर आ रहा है कि सेउटा के ऊपर एक पहाड़ी पर सैकड़ों प्रवासी जमा थे, जिन्हें मोरक्को की सेना ने आंसू गैस के गोले दागकर तितर-बितर कर दिया, जबकि अन्य लोग तैरकर स्पेनिश क्षेत्र की ओर बढ़ते रहे।

संभावना सेठ और अविनाश द्विवेदी ने हाउस हेल्प को बचाने का किया दावा

मुंबई/एजेन्सी। मुंबई की टीवी अभिनेत्री और कंटेंट क्रिएटर संभावना सेठ और उनके पति अविनाश द्विवेदी ने एक घरेलू सहायिका से जुड़ी घटना का खुलासा किया। उन्होंने दावा किया है कि उनकी घरेलू सहायिका गुड़िया की बड़ी बहन को नवी मुंबई के खारघर इलाके में एक घर में कथित तौर पर बंधक बनाकर रखा गया था और उसे जबरदस्ती काम करने के लिए मजबूर किया जा रहा था। उन्होंने बताया कि महिला ने मदद के लिए गुहार लगाई थी, जिसके बाद उन्होंने और कुछ अन्य लोगों ने मिलकर उसे वहां से बाहर निकालने में मदद की। संभावना और अविनाश ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया। इस वीडियो में उन्होंने पूरी घटना के बारे में जानकारी देते हुए कहा, ''इस मामले को सामने लाने का हमारा मकसद लोगों को जागरूक करना है। ऐसी घटनाएं किसी के भी आसपास हो सकती हैं, इसलिए लोगों को अपने आसपास होने वाली गलत चीजों के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए।''अविनाश ने वीडियो में बताया, ''घटना तब सामने आई, जब हमारी हाउस हेल्प गुड़िया अचानक रोने लगी। गुड़िया हमारे घर में रहती है और अचानक उसके रोने से हम चिंता में आ गए।

फिल्म डीसी का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई सन पिक्चर्स ने अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म डीसी का एक्शन और रोमांच से भरपूर ट्रेलर रिलीज़ कर दिया है। ट्रेलर दर्शकों को अपराध, जुनून और ज़िंदगी की जंग से भरी एक खतरनाक दुनिया की झलक दिखाता है। मशहूर निर्देशक लोकेश कनगराज इस फिल्म से पहली बार बतौर अभिनेता बड़े पर्दे पर नज़र आएंगे, वहीं उनके साथ वामिका गब्बी लीड रोल में हैं। यह तमिल रोमांटिक एक्शन थ्रिलर 7 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।सन पिक्चर्स के बैनर तले बनी इस फिल्म को नॉर्थ इंडिया के हिंदी भाषी बाज़ार (क्ष्च) में धर्मा प्रोडक्शंस रिलीज़ करेगा। जेलर, बीस्ट, अन्नात्थे और सरकार जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के लिए मशहूर सन पिक्चर्स एक बार फिर बड़े कैनवास की मनोरंजक फिल्म लेकर आया है। निर्देशक अरुण मथेश्वरन, पहली बार लीड रोल निभा रहे लोकेश कनगराज और प्रतिभाशाली अभिनेत्री वामिका गब्बी की तिकड़ी इस फिल्म को खास बनाती है। यह फिल्म पूरे भारत के दर्शकों को एक दमदार सिनेमाई अनुभव देने के सन पिक्चर्स के विज़न को आगे बढ़ाती है। फिल्म का निर्देशन अरुण मथेश्वरन ने किया है, जिन्होंने रॉकी, सानी कायिधम और कैप्टन मिलर जैसी फिल्मों से अपनी अलग पहचान बनाई है। डीसी उनके सबसे चर्चित प्रोजेक्ट्स में से एक है। फिल्म में इमोशन और बड़े पैमाने का एक्शन शानदार तरीके से देखने को मिलेगा, जहां एक दर्दभरी प्रेम कहानी एक खूंखार गैंगस्टर ड्रामा के बीच आकार लेती है। टीज़र ने जहां इसकी दुनिया की झलक दिखाई थी, वहीं नया ट्रेलर ज़बरदस्त विज़ुअल्स, भावनात्मक पलों और हाई-ऑक्टेन एक्शन के साथ फिल्म की भव्यता को और बढ़ा देता है। डीसी लोकेश कनगराज के करियर का एक अहम पड़ाव है क्योंकि वह पहली बार किसी फिल्म में मुख्य अभिनेता बने हैं।

अभिनेत्री कीर्ति कुल्हारी हुई साइबर ठगी की शिकार

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड जगत की मशहूर फिल्म अभिनेत्री और निर्माता कीर्ति कुल्हारी (43) के साथ साइबर धोखाधड़ी का एक बेहद गंभीर मामला सामने आया है। अज्ञात अपराधियों ने उनके मोबाइल फोन और क्रेडिट कार्ड का अनधिकृत एक्सेस हासिल कर महज कुछ ही मिनटों में 2,43,852 रुपए का फ्रॉड किया है। अभिनेत्री की शिकायत पर अंबोली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले को लेकर दर्ज एफआईआर के अनुसार, अभिनेत्री कीर्ति कुल्हारी वर्सोवा इलाके में रहती हैं और अभिनय व फिल्म निर्माण के जरिए अपने परिवार का भरण-पोषण करती हैं। यह घटना रात लगभग 9:31 बजे की है। उस समय वह अंधेरी पश्चिम में फन रिपब्लिक मॉल के पास स्थित सिनेपोलिस थिएटर में थीं। इसी दौरान उनके मोबाइल नंबर पर बैंक के क्रेडिट कार्ड से एयरोमेक्सिको एयरलाइन पर 2,525 अमेरिकी डॉलर खर्च होने का अलर्ट मैसेज प्राप्त हुआ। अनजान और संदिग्ध विदेशी लेनदेन का मैसेज देखते ही अभिनेत्री ने बिना समय गंवाए बैंक के टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क किया। बैंक अधिकारियों ने जांच के बाद बताया कि उनके क्रेडिट कार्ड से बिना अनुमति के चार अलग-अलग बड़े ट्रांजैक्शन किए गए हैं, जिसके बाद सुरक्षा के तौर पर तुरंत कार्ड ब्लॉक कर दिया गया।

पीड़ित अभिनेत्री ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि उनके क्रेडिट कार्ड का पासवर्ड पूरी तरह गोपनीय था, जिसे उन्होंने किसी के साथ साझा नहीं किया था। आशंका जताई जा रही है कि किसी डिजिटल मालवेयर या स्पाईवेयर के जरिए उनका फोन और कार्ड हैक किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए अंबोली पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। साइबर सेल की टीम बैंक रेफरेंस नंबरों और डिजिटल फुटप्रिंट्स के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है। बता दें कि अभिनेत्री कीर्ति कुल्हारी ने 'पिंक', 'उरी द सर्जिकल स्ट्राइक', 'इंदु सरकार', 'मिशन मंगल' और 'क्रिमिनल जस्टिस' जैसी हिट फिल्मों में जबरदस्त अभिनय किया है।

प्रदर्शन

जम्मू में शुक्रवार को पीओजेके में हो रहे कथित अत्याचारों के खिलाफ प्रदर्शन करते विस्थापित समुदाय के लोग। प्रदर्शनकारियों के हाथों में जम्मू से पीओजेके, हम वापस लौटेंगे! और मीरपुर, मुजफ्फराबाद और पुंछ में गिलगित स्काउटस का गठन करो जैसे बैनर-पोस्टर मौजूद रहे।

एक्ट्रेस से अब प्रेजेंटर बनीं सोनाली बेंद्रे

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड में कई सालों तक अपनी खूबसूरती और दमदार एक्टिंग से दिल जीतने वाली सोनाली बेंद्रे अब एक नए रोल में नजर आएंगी। दरअसल, वह अब अभिनय के साथ-साथ अच्छी कहानियों को आगे बढ़ाने का काम भी करना चाहती हैं। इसी सोच के साथ उन्होंने फिल्म 'सोलह' के साथ प्रेजेंटर के तौर पर अपना सफर शुरू किया है। बता दें कि प्रेजेंटर का मतलब होता है वो शख्स जो किसी फिल्म को दर्शकों तक पहुंचाने में मदद करे। वो फिल्म का चेहरा बनता है और लोगों को बताता है कि ये कहानी क्यों जरूरी है। सोनाली अपने इस रोल को लेकर काफी उत्साहित हैं। आईएएनएस से खास बातचीत में सोनाली बेंद्रे ने बताया कि 'सोलह' उनके लिए सिर्फ एक फिल्म नहीं है। ये उनके जीवन के एक नए अध्याय की शुरुआत है। उन्हें हमेशा से ऐसी कहानियां पसंद रही हैं जो फिल्म खत्म होने के बाद भी आपके साथ रहें। ऐसी कहानियां जो आपको एक जगह बैठकर सोचने पर मजबूर कर दें। 'सोलह' में ये सब है, इसलिए जब उन्होंने पहली बार इस फिल्म की कहानी सुनी तो वो तुरंत उससे जुड़ गईं। सोनाली ने कहा, ''फिल्म को प्रेजेंट करना मेरे लिए बहुत मायने रखता है क्योंकि यह मेरे लिए एक नए सफर की शुरुआत है। मैंने हमेशा ऐसी कहानियों को चुना है जो खत्म होने के बाद भी आपके दिल और दिमाग में रह जाती हैं। जो आपको थोड़ी देर के लिए रुककर सोचने पर मजबूर करती हैं। आपको जिंदगी को थोड़ा अलग तरीके से देखने में मदद करती हैं। 'सोलह' ने मेरे साथ बिल्कुल यही किया। इसे सुनने के बाद मैं काफी देर तक शांत रही और सोचती रही।'' सोनाली ने बताया कि आखिर उन्हें 'सोलह' की कहानी इतनी क्यों पसंद आई। ''जब मैंने पहली बार कहानी सुनी तो वो सीधे मेरे दिल से जा लगी। असल में ये फिल्म उम्मीद की कहानी है। ये हिम्मत की कहानी है और सबसे जरूरी बात ये आम लोगों के अंदर छिपी उस शांत ताकत की कहानी है, जिसके बारे में हम रोजमर्रा की जिंदगी में बात नहीं करते। पिछले कुछ सालों में मैंने जिंदगी को बहुत करीब से देखा है।

अच्छे लोगों के साथ काम करो, हार्डी संधू की इस सलाह ने बदला रेवती महुरकर का नजरिया

मुंबई/एजेन्सी

पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री और बॉलीवुड में अपनी पहचान बना चुके सिंगर और एक्टर हार्डी संधू न सिर्फ अपनी आवाज और एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं, बल्कि अपने प्रोफेशनल व्यवहार के लिए भी फेमस हैं। उनके साथ काम करने वाले हर कलाकार अक्सर उनकी तारीफ करते नजर आते हैं। अब एक्ट्रेस रेवती महुरकर ने भी हार्डी के साथ अपने अनुभव को शेयर किया। रेवती ने बताया कि 'तेवर' म्यूजिक वीडियो की शूटिंग के दौरान हार्डी ने उन्हें एक ऐसी सलाह दी, जिसे वो आज भी अपनी जिंदगी का हिस्सा मानती हैं। रेवती महुरकर ने बताया कि हार्डी संधू ने उन्हें इंडस्ट्री में टिके रहने का सबसे जरूरी मंत्र दिया। उन्होंने कहा, ''शूट के बीच में हार्डी ने कहा, 'अपने काम को लेकर बहुत सोच-समझ कर फैसला लिया करो। 'हमेशा अच्छे कलाकारों और अच्छी टीम के साथ ही काम करना', इस एक सलाह ने मेरे काम चुनने का पूरा तरीका बदल दिया।''

उन्होंने कहा, ''हार्डी के साथ काम करने के बाद मुझे असल में समझ आया कि आप किन लोगों के साथ काम करते हैं, ये कितना मायने रखता है।

अक्सर हम सिर्फ प्रोजेक्ट देखते हैं, लेकिन टीम और माहौल को इग्नोर कर देते हैं। हार्डी के साथ शूट पर मुझे महसूस हुआ कि एक अच्छा प्रोडक्शन कैसा होता है। उनके सेट पर हर चीज प्रोफेशनल थी। उनका प्रोडक्शन बहुत बड़े लेवल का था।''

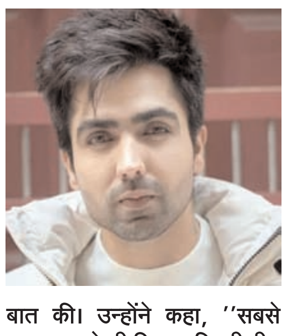

रेवती ने टीम के व्यवहार की भी बात की। उन्होंने कहा, ''सबसे खास बात ये थी कि उनकी पूरी टीम ने मेरे साथ बहुत सम्मान से बात की। मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि मैं नई हूं।

मुझे हर फैसले में बराबर की अहमियत मिली। शूट के दौरान हम अच्छे दोस्त बन गए और इसकी सबसे बड़ी वजह हार्डी हैं। वो दिल के बहुत अच्छे इंसान हैं। उनका दिमाग बहुत क्रिएटिव है और वो हर चीज को नए तरीके से सोचते हैं। उनके साथ बैठकर बात करना भी बहुत कुछ सिखाता है।''

रेवती ने हार्डी के व्यक्तित्व के बारे में आगे कहा, ''वह इंडस्ट्री की राजनीति से दूर रहते हैं। वह सिर्फ अपने काम से मतलब रखते हैं। इसी वजह से 'तेवर' का फाइनल रिजल्ट आज भी मेरे दिल के सबसे करीब है। ये अब तक का मेरा सबसे पसंदीदा काम है। जब भी मैं वो वीडियो देखती हूं तो मुझे गर्व महसूस होता है।''

रेवती ने शूटिंग के आखिरी दिन की एक बहुत प्यारी याद भी साझा की। उन्होंने बताया कि शूट 48 घंटे तक लगातार चला था। इतनी लंबी शूट के बाद भी टीम में एक अलग ही एनर्जी थी।

रेवती ने याद करते हुए कहा, ''48 घंटे नॉन-स्टॉप शूट करने के बाद हम सब बहुत थक गए थे, लेकिन जब पैकअप हुआ तो हार्डी ने कहा रुको, अभी नहीं। फिर हार्डी, हमारे कोरियोग्राफर, मेरे मैनेजर और मैं हम चारों ने फैसला किया कि हम थोड़ी देर और साथ बैठेंगे। हमें सुबह मुंबई की फ्लाइट पकड़नी थी, लेकिन उससे पहले तक हम सब साथ रहे। हमने खूब बातें कीं, खाना खाया, म्यूजिक सुना और हंसे। उस रात जो बॉन्ड बना वो आज तक है। ये दिखाता है कि अगर टीम अच्छी हो तो काम बोझ नहीं लगता।' अब बात करते हैं हार्डी संधू के आने वाले प्रोजेक्ट की। हार्डी जल्द ही पंजाबी फिल्म 'रांझेया' में लीड रोल में नजर आएंगे। ये फिल्म एक लव स्टोरी है। इस फिल्म में उनके साथ सिमरत कौर रंधावा और अंगद बेदी जैसे बड़े नाम भी शामिल हैं।

'मन' को शुद्ध करने का एकमात्र साधन है 'जिनवाणी' : डॉ. समकित मुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के बेंगलूरु चातुर्मास समिति-2026 के तत्वावधान में वीवी पुरम स्थित महावीर धर्मशाला में आयोजित जीवन संजीवनी चातुर्मास में शुक्रवार को 400 से अधिक आराधकों के साथ 'पार्श्व-पद्मावती एकासना तप' का शुभारंभ किया गया। अपने प्रवचन में डॉ. समकितमुनिजी ने कहा कि यदि व्यक्ति अपने सम्मान और व्यक्तित्व का प्रभाव बढ़ाना चाहता है तो उसे अपमान की स्थिति में भी धैर्य, विनम्रता और मौन का आश्रय लेना चाहिए। जब सामने वाला आपका सम्मान न करे या आपका अपमान करे, तब भी यदि आप शांत और सहनशील बने रहते हैं, तो आपका व्यक्तित्व स्वतः प्रभावशाली बन जाता है।

उन्होंने कहा कि व्यक्ति को कभी भी दूसरों से अपनी तुलना नहीं करनी चाहिए, बल्कि उनके श्रेष्ठ गुणों को अपनाने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे सूर्य और चंद्रमा दोनों की अपनी-अपनी विशिष्टता है, वैसे ही प्रत्येक व्यक्ति में भी ईश्वर प्रदत्त विशेष गुण होते हैं। दूसरों की उपलब्धियों से निराश होने के बजाय अपने गुणों को विकसित करना ही सच्ची प्रगति है।

उन्होंने आत्मचिंतन का संदेश देते हुए कहा कि हम प्रतिदिन अपने शरीर, वस्त्र, घर और बर्तनों की सफाई तो करते हैं, लेकिन क्या कभी अपने मन को भी शुद्ध करने का प्रयास करते हैं? उन्होंने कहा कि भगवान महावीर ने मन को निर्मल, शांत और पवित्र बनाने का सर्वोत्तम उपाय जिनवाणी' बताया है। जिनवाणी का नियमित अध्ययन एवं मनन ही अंतर्मन की वास्तविक शुद्धि का माध्यम है।

मुनिश्री ने द्रौपदी कथानक के अंतर्गत उदाहरण प्रस्तुत करते हुए कहा कि अनेक गुणों से सम्पन्न होने के बावजूद यदि व्यक्ति के भीतर कलह उत्पन्न करने जैसा एक भी अवगुण है, तो वह उसके व्यक्तित्व को प्रभावित कर देता है। इसलिए प्रत्येक साधक को ऐसे दोषों से स्वयं को दूर रखना चाहिए। संसार में सफलता केवल परिश्रम का परिणाम नहीं होती।

उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, व्यक्ति की सफलता में लगभग 10 प्रतिशत योगदान पुरुषार्थ का और 90 प्रतिशत योगदान पुण्य का होता है। इसलिए केवल भौतिक उपलब्धियों के पीछे नहीं, बल्कि पुण्य संचय के लिए भी जीवन समर्पित करना चाहिए। संतश्री ने चातुर्मास समिति, महिला और युवा समिति के सभी कार्यकर्ताओं की सेवा भावना, अनुशासन एवं समर्पण की मुक्त कंठ से सराहना की।

प्रदर्शन नहीं, स्वयं के दर्शन के लिए धर्म करना चाहिए : मुनिश्री मोक्षानंदविजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गोडवाड़ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री नित्यानंदसूरीश्वरजी की निश्रा में प्रतिदिन की प्रवचन श्रृंखला में श्रद्धालु उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। शुक्रवार को मुनिश्री मोक्षानंद विजयजी ने कहा कि धर्म स्थान आत्मा की शुद्धि के केंद्र हैं। संसार में जहां तहां व्यक्ति जितने में पाप करता है उन सभी की शुद्धि हेतु वह धर्मस्थान में आता है। धर्मस्थान पर प्रवेश करते ही उसे सांसारिक कार्यों के त्याग स्वरूप निसिहि' कहना चाहिए। मंदिर अथवा उपाश्रय में शांतभाव से आत्म निरीक्षण करना वास्तव में धर्म स्थान की सार्थकता है। मुनिश्री ने कहा कि व्यक्ति स्थान और स्थिति के अनुसार अपने रूप बदलने में माहिर हो चुका है। बहुत बार ऐसा ऐसा होता कि धर्मस्थानों में धार्मिकता का लिबास ओढ़ने वाला व्यक्ति बाहरी दुनिया में इससे विपरीत जीवन जीता है। व्यक्ति को प्रदर्शन के लिए नहीं बल्कि के स्वयं के दर्शन के लिए धर्म करना चाहिए। धर्म आराधना में प्रलोभन और भय का स्थान नहीं होता । धार्मिक व्यक्ति के जीवन में कथनी और करनी में एकरुपता होती है। धार्मिक व्यक्ति के जीवन में बनावट या दिखावट के लिए धर्म नहीं होता। धर्म हमें शांति, समता और सहनशीलता से जीने की कला सिखाता है। प्रतिकूलताओं की आंधी में भी जीवन दीप को धर्म की शक्ति बुझने नहीं देती। धर्म हमें दुर्गति से बचाता है। बुराइयों और व्यसनों से दूर रहने की प्रेरणा धर्म से मिलती है। प्राणी मात्र के साथ निष्काम प्रेम और मैत्री का पाठ श्रेष्ठ धर्म सिखाता है। ऐसे सर्व मंगलकारी धर्म की आराधना का स्वर्णिम अवसर चातुर्मास काल है अतः अधिक से अधिक धर्म आराधना में समय व्यतीत करके मनुष्य जन्म को सफल बनाना चाहिए ।

दोपहर में गुरु वल्लभ चरण पादुका पूजन में वल्लभ पच्चीसी द्वारा आराधकों ने गुरु भक्ति का आनंद लिया। सुबह शहर के ब्रह्मखत्री समाज के अध्यक्ष लेखराज खत्री के नेतृत्व में समाज के वरिष्ठ जनों व सदस्यों ने आचार्यश्री नित्यानंदसूरीश्वरजी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा आचार्यश्री से हिंगलाज माता मंदिर के दर्शनार्थ आमंत्रित किया।

नीति-नियम बंधन नहीं, जीवन की सुरक्षा है : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद। शहर के कल्याणकारी तपागच्छ वर्षावास समिति द्वारा आयोजित विमल-वर्षावास में शुक्रवार को जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने अपने प्रवचन में कहा कि नियम हमें प्रशिक्षित करते हैं। जिस प्रकार एक पत्थर को मूर्तिमंत बनाने के लिए छैनी और हथौड़े की जरूरत होती है। उसी तरह अपने जीवन के निर्माण, विकास और सुरक्षा के लिए नीति-नियम अत्यंत आवश्यक हैं। वे जीवन को तराशते हैं। सोना, जागना, बोलना, खाना-पीना, पहनना-ओढ़ना, देखना, व्यवहार और व्यापार करना तथा अपने विचारों को नियंत्रण में रखना, यह सब-कुछ जीवन की सुरक्षा और उन्नति के लिए अनिवार्य हैं। आचार्यश्री ने कहा कि नीति-नियम बंधन नहीं, जीवन की सुंदर सुरक्षा व्यवस्था है। मर्यादाएं ही मनुष्य को महान बनाती हैं। मर्यादाओं में बंधी हर शक्ति उपकारक और लाभदायी होती है। मर्यादाओं को तोड़ते ही भारी नुकसान होता है। मर्यादाएं होती हैं तो जीवन गरिमापूर्ण लगता है और मर्यादाओं के टूटते ही अराजकता फैल जाती है। धार्मिक नीति-नियम मनुष्य की गलत आदतों और दुर्विचारों को बदलते हैं। धार्मिक प्रतिज्ञाओं से जीवन में सदाचार की भूमिका निर्मित होती हैं। धर्म की शिक्षाएं पापकृत्यों को कम करने और रोकने की व्यवस्था है प्रवचन सभा में बड़ी संख्या में युवक-युवतियों की उपस्थिति को आचार्यश्री ने समाज के लिए शुभ संकेत बताया।

शक्ति को पहचानने के लिए पुरुषार्थ करना जरूरी : संतश्री भुवनभूषण

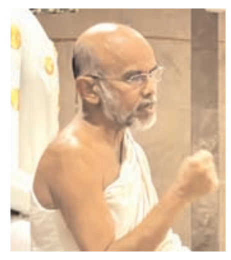

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के चिकपेट स्थित आदिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ के प्रांगण में चातुर्मास में विराजित भुवनभूषणविजयजी ने अपने प्रवचन में कहा कि आत्मा में अनंत शक्ति होती है। उस शक्ति को पहचानने के लिए हमें पुरुषार्थ करना चाहिए। उस शक्ति को पहचानने की एक ही चाबी है जिसका नाम है श्रद्धा। जब धर्म में हमारा प्रवेश हो जाए तब ही श्रद्धा नाम का गुण हममें प्रकट होता है।

जो व्यक्ति आत्मा की शक्ति को पहचान लेता है, वह असाध्य को भी साध्य कर सकता हैं, उसी का दूसरा नाम आत्मविश्वास है। सम्यक दर्शन हमें सही और गलत का ध्यान करवा देता है। संतश्री ने आगामी शिविर के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि यह शिविर केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जीवन की दिशा बदलने वाली एक आध्यात्मिक यात्रा होगी।

जीवन में पुरुषार्थ व मेहनत हमेशा फलदायक : संतश्री रविमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के श्वेताम्बर स्थानकवासी बावीस सम्प्रदाय जैन संघ ट्रस्ट के गणेश बाग स्थानक में चातुर्मासार्थ विराजित अभिजीतमुनिजी व रविमुनिजी के सान्निध्य में रविमुनिजी ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें जागृत बनकर ज्ञान अर्जन करना चाहिए। हमें वीतराग का उपासक व साधक बनना चाहिए। धर्म को पाना सरल है परन्तु सत्य धर्म को पाना व आत्मसात करना सरल नहीं है, सत्य धर्म को केवल विरली आत्माएं ही प्राप्त कर पाती हैं।

पुरुषार्थ व मेहनत हमेशा फलदायक है। मुनिश्री ने कहा कि जीवन को त्याग से सजाएं। भोग सामग्री, एशो आराम के त्याग के बिना जीवन में सुख नहीं आता। जीवन में आत्मा का परम आनंद प्राप्त करने के लिए आत्मलक्षी बने। श्रमणाचार की आचार, विचार, आहार पद्धति का ज्ञान हर श्रावक को होना चाहिए।

श्रमण की साधना में श्रावक अति महत्वपूर्ण है इसलिए श्रावक को श्रमण के माता-पिता की उपमा से उपमित किया गया है। मुनि अभिजीतजी ने मांगलिक श्रवण करवाई। संचालन पारसमणी रूणवाल ने किया।

सही समय पर सही कार्य करना चाहिएः संतश्री ज्ञानमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के हीराबाग जैन स्थानक में चातुर्मासार्थ ज्ञानमुनिजी व लोकेशमुनिजी विराजित हैं। शुक्रवार को लोकेश मुनिजी ने कहा कि आज हम दिखावे व प्रदर्शन के युग में जी रहे हैं। वास्तव में धर्म को एक ओर कर केवल धर्म व दौलत का प्रदर्शन मात्र करते हैं जो कि हमारे समाज के लिए गलत है। हम पुण्य की ओर जाने की बजाय पाप की ओर भाग रहे हैं। मृत्यु प्रतिपल नजदीक आ रही है। समय सबके पास कम है, समय की गाड़ी में ब्रेक नहीं होता, समय तो चलता ही रहता है। धर्म करने की मजबूरी हो सकती है लेकिन पाप करने की क्या मजबूरी हो सकती हैं? इस पर चिन्तन करना चाहिए।

ज्ञानमुनिजी ने कहा कि भगवान महावीर की अंतिम देशना में ज्ञान का भंडार है, सब जगह इनके ज्ञान का डंका बजता है। भगवान महावीर स्वामी ने जाते समय ज्ञान दिया कि सही समय पर सही कार्य करना चाहिए। अभी जागने का समय है, चेतना रूपी आत्मा को जागृत करने से सभी कार्य श्रेष्ठ हो जाएँगे। जो जागता है वह जीवन में बहुत आगे निकल जाता है और जो सोता है वह जीवन में बहुत कुछ खो देता है। जीवन जीने के लिए आगे की व्यवस्था करना जरूरी है, जैसे इंश्योरेंस करते हैं, मकान बनवाते हैं। बच्चों का भविष्य सुरक्षित करते हैं, उसी तरह जीवन में आगे बढ़ने के लिए मेहनत करनी पड़ती है। संघ के मंत्री अशोक बांठिया ने संचालन किया।

जीवन में प्राप्त अल्प समय का करें सदुपयोग : साध्वी प्रियश्रद्धांजनाश्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में साध्वी डॉ प्रियश्रद्धांजनाश्रीजी ने शुक्रवार को प्रवचन में कहा कि बीता हुआ समय लौटकर नहीं आता और जितना समय और श्वासें हमारी निर्धारित है उससे ज्यादा श्वासें हमें मिलनी नहीं है। जो वर्तमान का अल्प समय हमारे हाथ में है उसका हमें सदुपयोग करना है। घड़ी का प्रत्येक घंटा हमें आठ कर्मों के क्षय का प्रारब्ध करने की, नवतत्वों का विचार करने, दस क्षमा जैसे दस गुणों का विचार करने, ग्यारह प्रतिमाओं का ध्यान करने बारह व्रतों को अंगीकार करने का चिंतन करना चाहिए।

साध्वीश्री ने बताया कि साढ़े बारह वर्ष तक घोर तपस्या, आराधना करने के पश्चात श्रमण भगवान महावीर को केवल ज्ञान की प्राप्ति हुई। ज्ञान प्राप्ति के पश्चात परमात्मा ने जगत के समस्त जीवों के उद्धार के उद्देश्य से जगत को त्रिपदी द्वारा उपदेश दिया। परमात्मा की देशना की गणधरों ने द्वादशांगी की रचना की। परमात्मा के चौदह हजार शिष्यों ने प्रकीर्णक की रचना की। द्वादशांगी और प्रकीर्णक के आधार पर शास्त्रों की रचना हुई। आचार्य जिनभद्रसूरीश्वरजी ने ध्यान शतक ग्रंथ (ध्यान अध्ययन) की रचना की। इसी ग्रंथ का वांचन साध्वीश्री द्वारा चातुर्मास के दौरान होगा। इसी के साथ चरित्र वांचन में श्री विमलसूरीजी द्वारा दो हजार दस वर्ष पूर्व रचित जैन रामायण का वांचन प्रारंभ किया गया।

प्रभुवाणी जगत के प्राणीमात्र के लिए कल्याणकारी व मंगलकारी : साध्वीश्री मंगलज्योति

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के वर्धमान श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ शांतिनगर के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित में साध्वीश्री मंगलज्योतिजी ने शुक्रवार को प्रवचन में कहा कि आगम रूपी भगवान महावीर की देशना का उद्देश्य जगत के प्राणीमात्र की कल्याण की भावना है। उन्होंने कहा कि कान हमारे ग्राहक हैं जो ज्यादातर दूसरों की निंदा, विकथा की बातें सुनते रहते हैं, जबकि काम की बातें, धर्म, सत्संग, गुरु वाणी सुनने में रुचि नहीं रखते हैं। उन्होंने कहा कि साधनारत आत्मसाधक अगर अपने जीवन में व्यर्थ की इधर उधर की बातों से दूर रहकर अगर प्रभु की जिनवाणी श्रवण, संत समागम में, धर्म साधना आदि अच्छे कामों की ही बात सुनने में लगे तो वो साधक अवश्य ही अपना जीवन सफल कर आत्म कल्याण कर सकते हैं। अपनी आंखें और कानों को खुला रखें ताकि ये हमारे जीवन के विकास में सहायक बन सके। साध्वी नैतिकश्रीजी ने कहा कि साधक को अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित कर धर्म आचरण करना चाहिए। साध्वी ऋजु प्रज्ञाजी ने अपने संबोधन में कहा कि अनादिकाल से हमारी आत्मा मोह, मिथ्यात्व, अज्ञान के घोर अंधेरे में डूबी हुई है। जिनवाणी रूपी माता हमें इस अज्ञान के अंधकार से समकित के आलोक में हमारे आत्मा की शुद्धि, नव जागरण का पावन संदेश देती है। आगम हमारी अमूल्य धरोहर है। अतिथियों का स्वागत संघ के उपाध्यक्ष जयंतिलाल कवाड़ ने किया। मंत्री छगनमल लुणावत ने कार्यक्रम का संचालन किया।

सौ करोड़ की माल बुकिंग के साथ सम्पन्न हुआ तीन दिवसीय सिगा फेयर

पदाधिकारियों व व्यापारियों का किया गया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। साउथ इंडिया गारमेन्ट एसोसिएशन के तत्वावधान में पैलेस ग्राउंड के प्रिंसेस श्राइन सभागार में आयोजित तीन दिवसीय 31वां 'सिगा फेयर -2026' गुरुवार को 100 करोड़ से ज्यादा के उत्पादों की बुकिंग के साथ सम्पन्न हुआ। इस ट्रेड फेयर में देशभर के 150 से अधिक प्रतिष्ठित गारमेंट एवं फैशन ब्रांड्स ने अपने नवीनतम कलेक्शन और आगामी सीजन के ट्रेंड्स के अनुसार उत्पादों का प्रदर्शन किया। समापन समारोह में गारमेंट्स और टेक्सटाइल के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल करने वाले प्रमुख गारमेंट उद्यमियों और विभिन्न ब्रांड्स के मालिकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर साउथ इंडिया गारमेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग सिंगला को उनके दूरदर्शी नेतृत्व और मेले के सफल आयोजन के लिए बधाई दी तथा अन्य पदाधिकारियों ने उन्हें सम्मानित किया। अनुराग सिंगला ने कहा कि यह केवल मेरी उपलब्धि नहीं अपितु टीम वर्क है और इस आयोजन की सफलता के लिए हर एक सहयोगी प्रशांसा का पात्र है। उन्होंने कहा कि इस मेले ने एक ही प्लेटफॉर्म पर नए ब्रांड, नए डिज़ाइन और बिज़नेस के मौके लाकर इंडस्ट्री की ग्रोथ में अहम योगदान दिया है। अंत में पदाधिकारियों ने सभी व्यापारियों व प्रतिष्ठानों को धन्यवाद दिया।

प्रमुख शहरों में अपार्टमेंट बिक्री तीन प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली/भाषा। देश के सात प्रमुख शहरों में 2026 की पहली छमाही में अपार्टमेंट बिक्री सालाना आधार पर तीन प्रतिशत बढ़कर 1,38,382 इकाई रही। बेंगलूरु में सबसे अधिक 35,017 अपार्टमेंट की बिक्री हुई। मुख्य रूप से बेहतर मांग और नई आपूर्ति में वृद्धि से अपार्टमेंट की बिक्री बढ़ी है।

संपत्ति सलाहकार कंपनी जेएलएल ने यह जानकारी दी।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**